



खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ।

www.hindjanpath.com

पंचकूला

शनिवार

17 अक्टूबर, 2026

वर्ष:25 अंक: 114

कुल पृष्ठ:08

मूल््य : 1कपया

मोटी-मोटी

बातें

कैथल में भीषण सड़क हादसा, पूर्व MLA भगत राम बाता के पड़पौते दो सगे भाइयों समेत तीन युवकों की मौत



कैथल– कैथल में करनाल रोड पर गांव नरड़ के पास देर रात हुए सड़क हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाई अभिषेक (29) और रक्षत (27) निवासी खुराना रोड, कैथल तथा कृष्ण कुमार (32) निवासी इंद्रा कॉलोनी, कलायत शामिल हैं। अभिषेक और रक्षत कलायत के पूर्व विधायक भगत राम बाता के पड़पौते थे। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

परिजनों के अनुसार, तीनों युवक किसी काम से करनाल गए हुए थे। रात करीब 11 बजे जब वे वापस लौट रहे थे, तो गांव नरड़ के पास उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिवारों में चीख-पुकार मच गई। नागरिक अस्पताल में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

कनॉट प्लेस में प्रदर्शन से कारोबारियों को नुकसान, कोर्ट तक पहुंचा मामला

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हो रहे प्रदर्शनों के कारण कारोबार प्रभावित होने का हवाला देते हुए एक प्रमुख रेस्तरां के मालिक ने अदालत में याचिका दायर कर प्रदर्शन पर रोक लगाने और आर्थिक नुकसान के मुआवजे की मांग की है। रेस्तरां मालिक के वकील उमंग त्यागी ने बताया कि कनॉट प्लेस स्थित एक प्रमुख रेस्तरां की ओर से यह याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि क्षेत्र में हो रहे प्रदर्शनों के कारण आसपास के दुकानदारों और रेस्तरां को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उमंग त्यागी के अनुसार, 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के दौरान कनॉट प्लेस और उसके आसपास के दुकानदारों तथा रेस्तरां को लगभग 200 करोड़ रुपये का नुकसान होने की बात उद्योग जगत के एक संगठन ने कही थी। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर को एक बार फिर कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन का आह्वान किया गया था, जिसके मद्देनजर यह याचिका दायर की गई।

वकील ने बताया कि याचिका में दो प्रमुख मांगें रखी गई हैं। पहली, संबंधित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दूसरी, प्रदर्शन के कारण हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई कराई जानी चाहिए।

एफएसएसएआई का रेंडिसन ब्लू होटल को सुधार नोटिस, खाद्य सुरक्षा में गंभीर खामियां उजागर

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने नई दिल्ली के प्रतिष्ठित होटल मेसर्स एबी होटस्स लिमिटेड (रेंडिसन ब्लू होटल) को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का पालन न करने पर इंफ्रामेंट नोटिस जारी किया है। निरीक्षण के दौरान होटल की रसोई और परिसर में कई गंभीर खामियां पाई गईं। एफएसएसएआई की जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में 7 प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख किया है, जो खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करते हैं। पहला, परिसर और उपकरणों का रखरखाव बहुत खराब स्थिति में पाया गया। निरीक्षण में जंग लगी मशीनें, प्रीजर से पानी का रिसाव, रेफ्रिजरेशन सिस्टम में कमी, तापमान की निगरानी न होना, वेंटिलेशन, कश और लाइटिंग व्यवस्था में खामियां देखी गईं।

दूसरा, सफाई और सैनटाइजेशन की व्यवस्था अपर्याप्त पाई गई। परिसर में रुका हुआ पानी, ड्रेनेज सिस्टम की खराबी और कचरा निस्तारण की समस्या मिली। साथ ही कीट नियंत्रण में भी भारी लापरवाही देखी गई, जिसमें रसोई क्षेत्र में कॉर्करोच और मक्खियों की मौजूदगी पाई गई।

तीसरा, खाद्य सामग्री की खरीद और उसकी जांच की व्यवस्था भी मानकों पर खरी नहीं उतरी। जांच में फंफूद लगे और सड़े हुए फल-सब्जियों का उपयोग होता पाया गया।

हरियाणा की बेटी डॉ. सुधा यादव के राज्यपाल बनने पर प्रदेशवासियों को गर्व: डॉ. अर्चना गुप्ता

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित लोक भवन में डॉ. सुधा यादव के कर्नाटक के राज्यपाल पद के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. सुधा यादव से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नए संवैधानिक दायित्व की शुभकामनाएं दीं। साथ ही, जन्मदिन के अवसर पर उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के उपरांत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि हरियाणा की बेटी डॉ. सुधा यादव का राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर आसीन होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। उनकी यह उपलब्धि हरियाणा की महिलाओं की प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक जीवन में उनके महत्वपूर्ण योगदान का प्रेक उदाहरण है।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि डॉ. सुधा यादव ने अपने लंबे सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में समर्पण, अनुभव और जनसेवा की भावना से विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. सुधा यादव अपने व्यापक अनुभव, संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा और कर्तव्यपरायणता से राज्यपाल के रूप में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगी।

पंजाब से नशे का खात्मा करना सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य: मुख्यमंत्री भगवंत मान

हिन्द जनपथ
फिल्लौर(ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि नशे का खात्मा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने घोषणा की कि पंजाब पुलिस को बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है। फिल्लौर स्थित पंजाब पुलिस अकादमी में 'युद्ध नशाों विरुद्ध' अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने नशे के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने के लिए डीएसपी को 117 नए वाहन उपलब्ध करने की घोषणा की और इस लड़ाई को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में नशा खुलेआम बिक रहा है, तो पंजाब को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है और पंजाबियों को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि वह पंजाब को बदनाम करने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सीमा और गुजरात के रास्ते नशे की आमद को रोकें। इसके साथ ही उन्होंने



दोहराया कि मानसा में एक सामाजिक कार्यकर्ता की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को भी कड़ी सजा दी जाएगी।

'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लिखा, "आज फिल्लौर स्थित पंजाब पुलिस अकादमी में 'युद्ध नशाों विरुद्ध' अभियान की समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। इसे जन आंदोलन बनाना होगा।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा; हवाई किरायों पर नियम तैयार, दो सप्ताह में होंगे जारी

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि एयरलाइंस द्वारा वसूले जाने वाले हवाई किराए और अतिरिक्त शुल्कों को विनियमित करने के नियम तैयार कर लिए गए हैं और उन्हें प्रशासनिक मंजूरी भी मिल गई है। साथ ही भारोसा दिलाया कि इन नियमों को दो सप्ताह के भीतर जारी कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, आर. महादेवन और अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिडिस्टर जनरल तुषार मेहता की दलीलों को सुनने के बाद निर्देश दिया कि अगली सुनवाई की तारीख पर जारी नियमों को अदालत के सम्भ्र पेश किया जाए। साथ ही, कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 16 नवंबर की तारीख तय की है। यह मामला सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायण द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) से जुड़ा है। इसमें नागरिक उड्डयन क्षेत्र में अपनाई जाने वाली कथित 'अपारदर्शी, शोषणकारी और एल्गोरिदम-आधारित' मूल्य निर्धारण प्रथाओं और यात्रियों के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज की सीमा में की गई कटौती को चुनौती दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट हवाई किराए में होने वाले अनिश्चित उतार-चढ़ाव खासकर त्योहारों, छुट्टियों और यात्रा के व्यस्त समय के दौरान किराए में होने वाली भारी बढ़ोतरी और एयरलाइनों द्वारा लगाए जाने वाले अतिरिक्त शुल्कों से जुड़ी चिंताओं पर विचार कर रहा है।

डिजिटल गवर्नेंस से जन सेवाएं सरल, त्वरित और नागरिक-केंद्रित बननी चाहिए: मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने कहा कि किसी भी सरकार के संचालन के लिए सुशासन अनिवार्य है। ई-गवर्नेंस की वास्तविक सफलता तकनीकी जटिलता में नहीं, बल्कि आम नागरिकों, विशेषकर दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन को सरल बनाने की क्षमता में निहित है। मुख्यमंत्री ने आज जिला कांगड़ा के धर्मशाला में प्रशासनिक सुधार एवं ई-गवर्नेंस विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस सम्मेलन में देशभर से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमें पारंपरिक नैकसराली व्यवस्था से आगे बढ़कर पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली की ओर बढ़ना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने सत्ता संभालते ही स्पष्ट कर दिया कि सत्तासीन होने का उद्देश्य सुख-सुविधाओं का आनंद लेना नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ना है। सरकार का लक्ष्य हिमाचल के संसाधनों का लाभ प्रदेशवासियों तक पहुंचाते हुए आने वाले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश को देश के सबसे समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-गवर्नेंस के माध्यम से जनसेवाओं को बेहतर बनाने और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। श्री सुक्खू ने कहा कि स्पष्ट नीतिगत दृष्टिकोण के तहत राज्य सरकार ने कई ऐसे व्यवस्था परिवर्तन संबंधी निर्णय लिए हैं, जिनकी राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हुई है। शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए, सरकार ने प्री-नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश के क्षेत्र में देशभर में पांचवें स्थान आने वाले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश को देश के सबसे समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-गवर्नेंस के माध्यम से जनसेवाओं को बेहतर बनाने और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। श्री सुक्खू ने कहा कि स्पष्ट नीतिगत दृष्टिकोण के तहत राज्य सरकार ने कई ऐसे व्यवस्था परिवर्तन संबंधी निर्णय लिए हैं, जिनकी राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हुई है। शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए, सरकार ने प्री-नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश के क्षेत्र में देशभर में पांचवें स्थान आने वाले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश को देश के सबसे समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-गवर्नेंस के माध्यम से जनसेवाओं को बेहतर बनाने और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्वीडन दौरे में 4000 करोड़ रुपये के एलओआई साइन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वीडन के ऐंफेहासिंग दौरे के दौरान राज्य सरकार और स्वीडिश कंपनियों के बीच कुल 4000 करोड़ रुपये के लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) पर हस्ताक्षर हुए। इस महत्वपूर्ण यात्रा ने हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश, आर्थिक सहयोग तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले हैं। इस मौके पर शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी साथ में उपस्थित रहे । दौरे के दौरान गुरुग्राम और स्टॉकहोम शहरों के बीच सिटी-टू-सिटी कोलेबोरेशन समझौता हुआ। दोनों शहर तकनीकी नवाचार, स्मार्ट सिटी समाधान, सतत शहरी विकास, ज्ञान-आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन के क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। यह सहयोग दोनों शहरों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करेगा।

सशक्त भारत-आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप हरियाणा सरकार ने 3000 करोड़ रुपये का बड़ा एलओआई साइन किया। इसके अतिरिक्त रिटेल सेक्टर और वेयरहाउसिंग सेक्टर में 1000 करोड़ रुपये के एलओआई पर भी सहमति बनी। इन समझौतों से राज्य में आधुनिक वेयरहाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिटेल श्रृंखलाओं का विस्तार और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में नए निवेश आने की उम्मीद है।

हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार बढ़ाने तथा आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ। स्वीडिश कंपनियों ने हरियाणा के स्किल्ड

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) राजबीर सिंह घुमन शुक्रवार को कथित भ्रष्टाचार और प्रभाव के दुरुपयोग से जुड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-30 कार्यालय में पेश हुए। वह दोपहर तीन बजे जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे।

राजबीर के साथ आए अधिवक्ता जीपीएस घुमन ने बताया कि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत जांच में शामिल हुए हैं। रिपोर्ट लिखे जाने तक राजबीर सीबीआई कार्यालय में थे।

सीबीआई ने राजबीर को पेश होने के लिए तीन नोटिस जारी किए थे। ये नोटिस संगरूर जिले के उनके पैतृक गांव घरावों स्थित आवास के गेट पर भी चस्पा किए गए थे। जीपीएस घुमन ने व्हाट्सएप के जरिये नोटिस भेजने की कानूनी वैधता पर सवाल उठाए। हालांकि,

उन्होंने कहा कि सभी आरोपियों ने जांच में शामिल होने का फैसला किया है। उनके अनुसार, बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी के नेता चुरपिंदर चहल समेत पांच से अधिक लोग जांच में शामिल हुए और अधिकारियों के सवालों के जवाब दिए।

एफआईआर में छह लोगों के नाम

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के 5 अक्टूबर के आदेश के बाद सीबीआई ने यह मामला दर्ज किया था। एफआईआर में राजबीर सिंह घुमन, नितिन गोहल, जितिन गोहल उर्फ राजा, रोमी राजा महाजन, बीर देविंदर और चावल मिल के मालिक राजदीप सिंह नागरा के नाम हैं। इसमें अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों का भी उल्लेख है।

251 पंनों की एफआईआर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी की शिकायत पर दर्ज की गई।

परविंदर झोटा हत्याकांड: पंजाब सरकार से जवाब मांगेगा गृह मंत्रालय, अमित शाह ने मान सरकार को घेरा

नयी दिल्ली- पंजाब में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की मानसा में हत्या को लेकर बढ़ते आक्रोश के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार मानसा में झोटा की हत्या और दिड़बा में गुलजार सिंह की मौत के मामलों में पंजाब सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि नशा तस्करी, गैंगस्टरवाद और संगठित अपराध लगातार चुनौती बने हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि पंजाब में बढ़ते नशे, गैंगस्टरवाद और संगठित अपराध के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि राज्य के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार से इन मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग की।

इन्होंने दिड़बा की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि गुलजार सिंह ने पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चोमा से सार्वजनिक रूप से सवाल किया था कि राज्य में हेरोइन आसानी से कैसे उपलब्ध हो रही है। इसके एक दिन बाद कथित तौर पर जहर खाने से उनकी मौत हो गई थी।



गृह मंत्री ने मानसा में परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या का भी जिक्र किया। झोटा नशे के खिलाफ आवाज उठाते थे। शाह के मुताबिक, झोटा के पिता ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार और उसके एक विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय दोनों घटनाओं को लेकर पंजाब सरकार से जवाब मांगेगा।

नशा तस्करी और संगठित अपराध पर उठाए सवाल

अमित शाह ने आरोप लगाया कि पंजाब में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है और संगठित अपराध गंभीर खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने नशे के खिलाफ

ईरान पर 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' गिराएगा अमेरिका? ट्रंप की मंजूरी का इंतजार

वाशिंगटन- अमेरिकी सेना ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और परमाणु स्थलों को निशाना बनाने के लिए अपने जखीरों में मौजूद सबसे बड़े गैर-परमाणु बम का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। हालांकि, इसके लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी जरूरी होगी।

संबंधित बम को 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' भी कहा जाता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के खिलाफ जारी युद्ध में 'जीबीयू-43/बी मैसिव ऑर्डनंस एयर ब्लास्ट बम' (एमओएबी) का इस्तेमाल एक बड़ा और गंभीर मोड़ साबित होगा। संबंधित युद्ध अब आठवें महीने में प्रवेश कर चुका है। ट्रंप ने गुरुवार को न्यूजमैक्स से कहा कि अमेरिका ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर एक और हमला कर सकता है, जिसमें 'पिकएक्स माउंटैन' के नाम से जानी जाने वाली एक बेहद सुरक्षित जगह भी शामिल है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह तीन नवंबर के मध्यराधि चुनावों के बाद 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहे हैं, ट्रंप ने कहा कि यह परमाणु हथियार नहीं है।

ट्रंप ने कहा कि यह बिल्कुल भी परमाणु नहीं है, यह बस एक बहुत बड़ा बम है। यह एक छोटे परमाणु बम की तरह है। 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' एक बहुत बड़ा बम है - पर यह परमाणु नहीं है। मैं परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करूंगा, हमें ऐसा करने की जरूरत भी नहीं है। लगभग 21,600 पाउंड वजन की एमओबी का इस्तेमाल पहली बार अप्रैल 2017 में, ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह के एक सुरंग परिसर को नष्ट करने के लिए किया गया था।

के भव्य
गर्पण

सचेतक केवल
संघ पत्रनिद्या की
न माता मंदिर मार्ग
किया।

पर श्रद्धालुओं
भी किया गया,
धर्म से माता रानी
धार्मिक आस्था
रानी से समस्त
करते हुए कहा कि
ने आस्था के केंद्र
करात्मकता का
सुनीत पठानिया,
सुनंदा पठानिया,
त शर्मा, उपमुख्य
का गायक ईशांत
वक्षय अत्री, शशि
रा, प्रधान शिल्पा,
जानवी महाजन,
मान भलेड पवन,
विभिन्न पंचायतों

अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रदेश
के युवाओं में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी
प्रतिभा एवं क्षमता के बल पर आगे
बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने
कहा कि गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण
के साथ युवाओं को रोजगार के बेहतर
अवसर उपलब्ध करवाना समय की
आवश्यकता है।

ग्रामीण विकास मंत्री ने विभिन्न राज्यों
से आए प्रतिनिधियों का हिमाचल प्रदेश

इस अवसर पर निदेशक, कौशल,
ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार
पवन कुमार व अवर सचिव घनश्याम
मोणा, निदेशक ग्रामीण विकास एवं
पंचायती राज राधव शर्मा, सीईओ
एचपीएमआरएलएम सुरेंद्र मोहन
तथा डीडीओ ग्रामीण विकास, कांगड़ा
अभिनीत कात्यायन ने भी अपने विचार
रखे।

वैकिंग व वित्तीय सेवाएं प्र
सहकारी बैंक महत्वपूर्ण भू
हैं। उन्होंने कहा कि बैंक ह
आर्थिक प्रणाली से जोड़कर
बनाने में भी सहायक है।
उन्होंने बैंक प्रबंधन और
को बधाई देते हुए कहा कि स
का ग्रामीण अर्थव्यवस्था के स
महत्वपूर्ण योगदान रहता है
के शुभारम्भ से क्षेत्र के लोग

मुख्यमंत्री ने धर्मशाला में इंडोर आइस स्केटिंग रिक एवं रोलर स्केटिंग रिक की आधारशिला रखी

हिन्द जनपथ

कांगड़ा (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने आज कांगड़ा जिला के धर्मशाला स्थित स्कोह में 33.78 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले इंडोर आइस स्केटिंग रिक एवं रोलर स्केटिंग रिक की आधारशिला रखी।

इस भवन के बेसमेंट में जिम, विलियड्स रूम और कैफे की सुविधा होगी। इसके अतिरिक्त धरातल मॉडल में वीआरपी लाउंज तथा ऊपरी बालकनी में 1,079 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। इस रोलर स्केटिंग रिक की दशक दीर्घा में 250 लोगों के बैठने की क्षमता होगी जबकि परिसर में 250 वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने धर्मशाला शहर के लिए 982 लाख रुपये की लागत से निर्मित अल्ट्राड्युनि क सीवेज एवं सेप्टेज प्रबंधन सुविधा का भी लोकार्पण किया। इस संयंत्र की निर्धारित क्षमता 60 केएलडी प्रतिदिन है। इसके माध्यम से सीवेज नेटवर्क से वंचित धर्मशाला के सात वार्डों की सुविधा मिलेगी, जिससे लगभग 7,500 परिवार लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर कृषि मंत्री चंद कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध



सिंह, आरुण मंत्री यादविंद गोमा, उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के अध्यक्ष आर.एस. बली, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (डिजिटल प्रौद्योगिकी, सुशासन एवं नवाचार) गोकुल बटेल, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, सांसद अनुग्रह शर्मा, विधायक आशीष बटेल, सुरेश कुमार, मलेंद्र राजन, पूर्व विधायक अजय महाजन, नगर निगम धर्मशाला के पूर्व महसूल देवेन्द्र जग्गी, कूल फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज कपूर तथा कांगड़ा कृषि उपज विपणन समिति के अध्यक्ष निशु मोंगरा और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

बांग्लादेश मॉडल का महिमामंडन कर कांग्रेस देश को दे जवाब :

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सीमा ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड़ा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि लोकतंत्र बचाने का दावा करने वाली कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि वह भारत में किस प्रकार की राजनीतिक व्यवस्था चाहती है। उन्होंने कहा कि जेएनयू की छात्रा एवं आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा वोहरा के बांग्लादेश संबंधी कथित बयान ने कांग्रेस की राजनीतिक दिशा और उसके विरोध प्रदर्शनों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डॉ. सीमा ठाकुर ने कहा कि 14 अक्टूबर को बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट के सम्मेलन के लिए जारी वीडियो संदेश में नेहा वोहरा ने कथित तौर पर कहा कि बांग्लादेश के जैन-जो आंदोलन ने उन्हें रास्ता दिखाया और आंदोलनकारियों को लाल सलाम



भेजा। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ऐसे विचारों से सहमत हैं तो कांग्रेस नेतृत्व को सार्वजनिक रूप से अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश में हुए हिंसक दंगों को पूरी दुनिया ने देखा। मानवाधिकार कायदालय ने भी मानव अधिकारों के उल्लंघन के तथ्यों को मीट हुई हो सकते

राज्यपाल ने सत्यनिष्ठ, जिम्मेदार और जन-केंद्रित पत्रकारिता का किया आह्वान

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। उन्होंने मीडिया से सत्य, विश्वसनीयता और जनहित के मूल्यों को बनाए रखने तथा नई सामाजिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने का आह्वान किया।

राज्यपाल आज शिमला में न्यूज 09 चैनल द्वारा आयोजित जैम्स ऑफ हिमाचल अवॉर्ड्स-2026 समारोह में वक्ता मुख्य अतिथि भाग लिया। उन्होंने कहा कि मीडिया की भूमिका केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनचेतना जागृत करने, जन सरोकार के मुद्दों को उजागर करने और सरकार तथा समाज के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है।



उन्होंने कहा कि किसी मीडिया संस्थान की सफलता का वास्तविक आकलन केवल उसके प्रसारण की पहुंच, पाठकों या दर्शकों की संख्या से नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि समाज वरगों को आवाज को प्रभावशाली तरीके से उठाना और जनसमस्याओं और समाज के समर्थ सकारात्मक पहलों की प्रस्तुतिकरण के आधार पर मीडिया संस्थानों की सफलता की समीक्षा की जानी चाहिए।

डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सोशल मीडिया के परिवर्तनकारी प्रभावों का उल्लेख करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि आज समाचार कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुंच सकते हैं।

एचपीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी की योजना हुए लाभान्वित, 108 करोड़ रुपये से अधि

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य संरचनाओं का मंगार कल्याण बोर्ड (एचपीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी) के अध्यक्ष नरदेव सिंह केवर ने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के सखन्ध में आज नई दिल्ली में भारत सरकार के संयुक्त सचिव आशुतोष ए.टी. पेडणेकर से शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं तथा श्रमिकों की आर्थिक सहायता, शिक्षा संबंधी लाभ तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के दौरान आशुतोष ए.टी. पेडणेकर ने बोर्ड की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की। उन्होंने बोर्ड द्वारा ई-केवाईसी के माध्यम से पात्र लोगों की पहचान करके उन तक विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयासों को भी सराहना की।

अध्यक्ष ने संयुक्त सचिव को अवगत



करवाया कि अब तक लगभग 4.77 लाख श्रमिकों का पंजीकरण किया जा चुका है, जबकि लगभग एक लाख ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की गई है। उन्होंने ऐसी ही प्रणाली पूरे देश में लागू करने पर बल दिया ताकि पात्र लाभार्थियों की पहचान करके

उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दे सके। इस दौरान लेकर चौक विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के अभाव अब तक बोर्ड द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंर्गत लगभग

सारी योजनाएं बंद करके, गारंटीयां भूल नए जिले बनाने का शिगूफा छोड़ रहे हैं मुख्यमंत्री : जयराम ठाकुर

महिला आर्थिक को नई दि प्रसंस्कार

हिन्द जनपथ

न्यूज़ डायरी

विजिलेंस ब्यूरो द्वारा 30,000 रुपये रिश्वत लेता पटवारी रंगे हाथों काबू



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अपने अभियान के दौरान जिला बरनाला के माल दफ्तर तपा में तैनात पटवारी मनीष कुमार को 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को जिला बरनाला की तहसील तपा के गांव भोतना के निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उक्त आरोपी उसकी जमीन का ईकाकाल दर्ज करने के बदले 30,000 रुपये रिश्वत की मांग कर रहा था। रिश्वतदेने के लिए राजी न होने के कारण शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज पटियाला तक पहुंची की। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया, जिस दौरान आरोपी पटवारी मनीष कुमार को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला में केस दर्ज करके आरोपी को कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गैंगस्टरां ते वार का 269वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 500 स्थानों पर छापेमारी; 207 काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश में चल रहे अभियान ' गैंगस्टरां ते वार' के 269वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 500 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' —पंजाब को गैंगस्टर मुक्त प्रदेश बनाने के लिए निर्णायक जंग, जो 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एंजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमों राज्य भर में विशेष कार्रवाइयां कर रही हैं।

269वें दिन, पुलिस टीमों ने तीन हथियारों सहित 207 व्यक्तिओं को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 78,842 हो गई है।

इसके अलावा 178 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 2 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

लोग, एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों की गुप्त रूप से रिपोर्ट कर सकते हैं और अपराध तथा अपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना भी दे सकते हैं। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपने अभियान 'युद्ध नशोंयां विरुद्ध' को 594वें दिन भी जारी रखते हुए 101 नशा तस्करो को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से 1.7 किलो हेरोइन, 35.1 नशीली गोлияयां और 1.72 लाख रुपये ड्रग मनी बरामद की गई।

इसके साथ ही, केवल 594 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करो की कुल संख्या 85,969 तक पहुंच गई है। नशा छुड़ाओ अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 31 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास के लिए इलाज करवाने हेतु प्रेरित किया है।

पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां द्वारा बाबा बंदा सिंह बहादुर जी को जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधान सभा के स्पीकर सरदार कुलतार सिंह संधवां ने आज महान सिख योद्धा और जनरैल बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के पावन जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धा के फूल अर्पित किए।

स्पीकर संधवां ने लोगों को इस महान जनरैल द्वारा दिखाए गए सत्य, न्याय और निःस्वार्थ सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर जी ने सिख कौम और समूची मानवता के लिए अनुपम सेवा निभाई—उनकी अनूठी कुर्बानियां और बहुमूल्य योगदान इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हैं।

स. संधवां ने कहा, 'बाबा बंदा सिंह बहादुर जी एक महान योद्धा थे, जिन्होंने जुलूम के विरुद्ध लड़ने, मानवीय अधिकारों की रक्षा और दबे-कुचले वगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए अपना समूचा जीवन समर्पित कर दिया।'

उन्होंने पंजाब में पहले स्वायत्त सिख राज्य के संस्थापक के रूप में बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की ऐतिहासिक भूमिका का जिक्र करते हुए विशेष प्रशंसा पर उनके क्रांतिकारी भूमि सुधारों को याद किया, जिन्के माध्यम से जातिरामना जमींदारा प्रथा का खान्ना करके गरीब काश्तकारों और किसानों को जमीन के मालिकाना हक दिए गए थे।

स्पीकर ने दोहराया कि बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की शानदार विरासत और साहस भरे कारनामे लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे, जो उन्हें बेईसाफी के विरुद्ध डटकर खड़े होने के लिए साद प्रेरित करते रहेंगे।

पबरा सरफेस वाटर प्रोजेक्ट मेंक्लोरीन एवं अग्नि सुरक्षा संबंधीएक्सपोजर विजिट-कम-मॉकड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब भर के सरफेस वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी को मजबूत करने और बेहतर सुरक्षा प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पबरा सरफेस वाटर प्रोजेक्ट, घनौर, पटियाला में क्लोरीन एवं अग्नि सुरक्षा संबंधी एक्सपोजर विजिट-कम-मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत कार्यकारी अधिकृत एवं वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ सरबजीत सिंह के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों में कार्यस्थल की सुरक्षा, निवारक उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पूर्व तैयारी के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में पंजाब भर के सरफेस वाटर प्रोजेक्टों से जुड़े उपमंडल इंजीनियरों, जूनियर इंजीनियरों और प्रोजेक्ट मैनेजर्स ने भाग लिया।

अग्नि सुरक्षा संबंधी मॉक ड्रिल पंजाब के अग्निशामन सेवा विभाग के रमन कुमार द्वारा आयोजित की गई। उन्होंने आग लगने की स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई तथा अग्निशामन उपकरणों के सुरक्षित उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इसी प्रकार, क्लोरीन सुरक्षा संबंधी सत्र के दौरान बोडल केमिकल्स लिमिटेड के एक विशेषज्ञ ने क्लोरीन के सुरक्षित उपयोग एवं भंडारण, निवारक उपायों, क्लोरीन के रिसाव से बचाव तथा आपातकालीन स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इन व्यावहारिक प्रदर्शनों से प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ तथा वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों में आग से बचाव, क्लोरीन रिसाव की स्थिति से निपटने, कार्यस्थल की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया संबंधी उनकी समझ और बेहतर हुई।

यह कार्यक्रम डिवीजन स्तर के अधिकारियों तथा मेसर्स के.एन.के. प्राइवेट लिमिटेड की टीम के समर्पित प्रयासों और प्रभावी समन्वय से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आवश्यक व्यवस्थाएं करने और व्यावहारिक सत्रों को सुचारू रूप से आयोजित करने में उनके योगदान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह पहल पंजाब भर के सरफेस वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों में पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों को मजबूत करने, कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा और आपातकालीनी परिस्थितियों से निपटने के लिए तत्पर रहने की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाब / हिमाचल

पंजाब सरकार ने 9.75 करोड़ रुपये की मुपत सैनिटरी पैड योजना से महिलाओं के मासिक धर्म स्वास्थ्य और सम्मान को दिया मजबूत सहारा: डॉ. बलजीत कौर

2.45 करोड़ से अधिक सैनिटरी पैड वितरित, पंजाब भर की 13.65 लाख से अधिक महिलाओं को मिला लाभ

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महिला-केंद्रित कल्याण और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य भर की महिलाओं में मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्वच्छता और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों से संबंधित महिलाओं के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं को अधिक सुलभ बनाना है।

यह जानकारी साझा करते हुए पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्य सरकार द्वारा लगभग 9.75 करोड़ रुपये की लागत से 2.45 करोड़ से अधिक सैनिटरी पैड मुफ्त वितरित किए गए हैं, जिससे पंजाब भर की 13.65 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सुरक्षित मासिक



धर्म स्वच्छता उत्पादों तक पहुंच केवल स्वास्थ्य की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, आत्मविश्वास और सशक्तीकरण से भी जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस पहल से मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है और वंचित पृष्ठभूमि की महिलाओं पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम हुआ है। इससे वे अधिक स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रही हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने आगे बताया कि 'नई

दिशा' योजना के तहत पात्र महिलाओं को राज्य के 27,314 आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से हर महीने 9 सैनिटरी पैड मुफ्त उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह व्यापक वितरण कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है।

योजना के व्यापक सामाजिक प्रभाव को उजागर करते हुए मंत्री ने कहा कि यह पहल मासिक धर्म से जुड़ी रूढ़िवादी धारणाओं

ढोल की थाप, डांडिया की खनक और गुजरात के रंगों से झूम उठा पंचकूला

पंचकूला में गुजरात का रंग, गरबा के संग—होटल पल्लवी ग्रांड में उमड़ा उत्साह, रास गरबा महोत्सव में सजी सांस्कृतिक उल्लास की भव्य महाफल

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला में इन दिनों गुजरात की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारंपरिक संगीत और गरबा की मनमोहक धुनों का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। सेंक्टर-5 स्थित होटल पल्लवी ग्रांड में आयोजित रास गरबा एवं डांडिया महोत्सव में उत्साह, उमंग और उल्लास का ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जिसने पूरे शहर को उत्सव के रंगों में रंग दिया है। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे महिला-पुरुषों और युवाओं के थिरकने कदम, डांडिया की खनक और संगीत की मधुर धुनें आयोजन की रौनक बढ़ा रही हैं। महोत्सव में गुजरात की संस्कृति के साथ भारतीय त्योहारों की जीवंत परंपरा और सामाजिक एकता की खूबसूरत झलक देखने को मिल रही है।



पल्लवी ग्रांड में सजी गरबा की महफिल, गुजरात की संस्कृति ने मोहा पंचकूला का मन होटल पल्लवी ग्रांड में आयोजित इस महोत्सव में गरबा और डांडिया के प्रति लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है। पारंपरिक गुजराती वेशभूषा, आकर्षक रंगों और संगीत की लय के बीच प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ नृत्य किया। गरबा की थाप पर झूमने लोगों ने आयोजन को यादगार बना दिया।

बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक, सभी आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी ने महोत्सव को विशेष पहचान दी।

यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विभिन्न आयु वर्ग और सामाजिक वर्गों के लोगों को एक मंच पर लाने का भी प्रयास है। गरबा की सामूहिक परंपरा ने लोगों को आपस में जुड़ने, खुशियां साझा करने और भारतीय संस्कृति के विविध रंगों का आनंद लेने का अवसर प्रदान किया।

7 करोड़ रुपये की रंगदारी के मामले में पुलिस ने अदालत में पेश किया चालान

चण्डीगढ़ : वर्ष 2025 के चर्चित 7 करोड़ रुपये की रंगदारी मामले में पुलिस ने अदालत में चालान (आरोपपत्र) पेश कर दिया है। चंडीगढ़ के वकील गौरव धीर की शिकायत पर दर्ज इस मामले में आरोपियों और संबंधित व्यक्तियों को लेकर महत्वपूर्ण कानूनी घटनाक्रम सामने आए हैं।

अदालती कार्यवाही के अनुसार, रंगदारी मांगने और धमकी देने के आरोपों से जुड़े ओडिन हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रमन अग्रवाल को अग्रिम जमानत मिल गई है। वहीं, प्रारंभिक जांच के दौरान जांच के दायरे में रहे चंडीगढ़ क्लब के मानद सचिव नितिन गोयल को पुलिस ने चालान में अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में शामिल किया है। यह मामला पिछले वर्ष दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। शिकायतकर्ता गौरव धीर के आरोपों के मुताबिक, 31 अगस्त 2025 को जब वह न्यू चंडीगढ़ स्थित अपने पिता के निर्माण व्यवसाय से संबंधित कार्यालय में बैठे थे, तब उन्हें फोन पर धमकी दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि रमन अग्रवाल ने उनसे 6 से 7 करोड़ रुपये चंडीगढ़ क्लब के कार्यकारी सदस्य विकास बेक्टर को सौंपने की मांग की थी। रकम नहीं देने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगताने की धमकी भी दी गई थी। इस मामले में मुल्लापूर पुलिस ने अक्टूबर 2025 में विकास बेक्टर को गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। पुलिस द्वारा अदालत में चालान पेश किए जाने के बाद अब मामले में आगे की न्यायिक कार्यवाही का रास्ता साफ हो गया है। चंडीगढ़ क्लब के मानद सचिव नितिन गोयल को अभियोजन पक्ष का गवाह बनाए जाने को मामले की घटनाओं और कथित रंगदारी की मांग से जुड़ी परिस्थितियों को स्पष्ट करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हिन्द जनपथ

उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा निखारने और उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित करने में चिल्ड्रन साइंस कांग्रेस की अहम भूमिका है। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और प्रकृतिक वातावरण का अभिन्न हिस्सा है।

श्री पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जैव विविधता, जल संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, कचरा प्रबंधन और सतत विकास जैसे विषयों पर सीखने और शोध करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की ज्यादा से ज्यादा सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एटीसी शाहपुर विज्ञान, नवाचार और विद्यार्थियों की अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के विकास के लिए



10 लाख रुपये, चढ़ी खेल मैदान के लिए 10 लाख रुपये तथा कार्यक्रम के आयोजन के लिए 1 लाख रुपये देने की घोषणा की।

जिला पर्यवेक्षक मंजू महाजन ने मुख्यातिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। एटीसी शाहपुर की प्रभारी एवं वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. सुनंदा पठानिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। स्थानीय स्कूल की प्रधानाचार्य ने मुख्यातिथि एवं अन्य आए हुए मेहमानों का कार्यक्रम में आने पर आभार जताया। दो दिवसीय साइंस कांग्रेस के दौरान विद्यार्थी साइंस एक्टिविटी, साइंस इनोवेटिव मॉडल, विज्ञान, मैथ ओलंपियाड, साइंस स्किट और साइंस सर्वे रिपोर्ट जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, रचनात्मकता और शोध के प्रति रुचि विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

नशा, गैंगस्टरवाद और बदहाल कानून-व्यवस्था ने पंजाब को संकट में धकेला, भगवंत मान सरकार जवाबदेही से नहीं बच सकती: तरुण चुग

हिन्द जनपथ

हिन्द जनपथ संगरूर/चंडीगढ़- भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं सांसद तरुण चुग ने संगरूर में आयोजित भाजपा पंजाब प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी जी के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने से शुरू हुई 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन की यात्रा सेवा, सुशासन, निर्णायक नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के प्रति अटूट समर्पण की मिसाल है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की शासन व्यवस्था का मूल मंत्र जनसेवा रहा है और उनकी नीतियों का उद्देश्य आम नागरिक के जीवन में ठोस परिवर्तन लाना है। लगभग 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने, करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने तथा करोड़ों परिवारों को पक्के घर, शौचालय, स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वच्छ पेयजल और वित्तीय समावेशन से जोड़ने जैसे कदमों ने देश में कल्याणकारी शासन को नई दिशा दी है। चुग ने कहा कि गुरुओं की धरती, वीर पंजाबों, मेहनती किसानों और प्रतिभाशाली युवाओं का जवाब 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाए, यही समय की आवश्यकता है।

● मोदी जी के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की मिसाल: तरुण चुग



तरुण चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सिख पंथ के साथ संबंध राजनीतिक लाभ का नहीं, बल्कि श्रद्धा, सम्मान और सेवा का संबंध है। उन्होंने गुजरात के ऐतिहासिक गुरुद्वारा लखपत साहिब के पुनर्निर्माण, श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश

राजकीय आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन

पंचकूला- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), पंचकूला में जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले का सफल आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न औद्योगिक एवं निजी क्षेत्रों की 14 कंपनियों ने भाग लिया और आईटीआई के विद्यार्थियों तथा पासआउट युवाओं को रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध करवाए। मेले के दौरान कुल 115 युवाओं का पंजीकरण किया गया, जबकि 71 युवाओं का चयन किया गया।

पंचकूला के मेयर श्री श्याम लाल बंसल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्रधानाचार्य श्री शिवचरण गौतम ने की। अतिथियों ने युवाओं को तकनीकी शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल विकसीत करने तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

मेले में EOS Globe, Anand Group, Grindwell Norton Limited, Allenger Company, Derabassi तथा Sri Kautilya सहित अन्य कंपनियों ने भाग लिया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने युवाओं की शैक्षणिक योग्यता, तकनीकी दक्षता एवं रोजगार संबंधी क्षमताओं का आकलन करते हुए साक्षात्कार लिए तथा योग्य अर्थार्थियों का चयन किया। प्रधानाचार्य श्री शिवचरण गौतम ने कहा कि इस प्रकार के अप्रेंटिसशिप मेले युवाओं को उद्योगों से सीधे जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। अप्रेंटिसशिप के माध्यम से युवाओं को कार्यस्थल पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है और वे अपने भविष्य के लिए बेहतर करियर विकल्प चुन सकते हैं।

चंडीगढ़ में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ, इंद्रेश महाराज के प्रवचनों और भजनों से कृष्णमय हुआ शहर

चंडीगढ़: सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ में शुक्रवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा एवं 'गीता वृंदावन प्रकट उत्सव' का भव्य शुभारंभ हुआ। 16 से 22 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस धार्मिक उत्सव के पहले दिन श्रद्धा, भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। '84 कोस की जय-जयकार' और राधा-कृष्ण के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। चंडीगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे।

कार्यक्रम में यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव, श्री हिरिआड़का राजेश प्रसाद, आईएसएस और भाजपा नेता संजय टंडन भी पहुंचे। आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पंडाल भक्तों से खचाखच भरा नजर आया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने कथा में भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का श्रवण किया।

प्रख्यात कथावाचक इंद्रेश महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, उनके जीवन प्रसंगों और आध्यात्मिक शिक्षाओं का वर्णन किया। उनके मधुर भजनों और प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और '84 कोस की जय-जयकार' के साथ शुरू हुए उत्सव ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।



पर्व पर करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलने, साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को राष्ट्रीय पहचान देने के लिए वीर बाल दिवस की शुरुआत तथा सिख गुरुओं की शिक्षाओं और बलिदानों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने जैसे कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों की जांच के लिए 2015 में विशेष जांच दल का गठन, दस मामलों को दोबारा खोलना, आरोपियों और दोषियों के विरुद्ध न्यायिक कार्रवाई, पीड़ित परिवारों को अतिरिक्त मुआवजा तथा विदेशों में रहने वाले सिख परिवारों की काली सूची में कमी जैसे कदम लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे परिवारों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। सेवा भोज योजना के अंतर्गत लंगर सामग्री पर केंद्रीय करों की प्रतिपूर्ति, गुरु धामों तक पहुंच आसान बनाने, प्रताड़ित सिख शरणार्थियों की सहायता और सिख विरासत के संरक्षण के प्रयास भी इसी

प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पंजाब के विकास में केंद्र सरकार की भूमिका का उल्लेख करते हुए चुग ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और किसान कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

वार्ड नंबर 09, गाँव दरिया में इंद्रजीत सिंह के समर्थन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित



गाँव के सम्मानित लोग उन्हें अपना पूर्ण समर्थन एवं सहयोग दें।

बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि इंद्रजीत सिंह एक पढ़े-लिखे, योग्य एवं युवा उम्मीदवार हैं, जो वार्ड नंबर 09 की जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाने तथा उनके समाधान के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से प्रयास करने की क्षमता रखते हैं।

उत्तर रेलवे ई-नीलामी सूचना			
भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे अंबाला छावनी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई-नीलामी रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेके का विवरण निम्नलिखित है।			
नीलामी काटलोग सं.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय	
UMB-Mix-44-2026	बर्हिडा रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार (2nd Entry) के पास, GRP क्वार्टर के निकट 1894.20 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक व्यापक पार्किंग स्थल। (साइट प्लान के अनुसार)	27.10.2026 12:00:00	
	सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर सेलून साइडिंग के पास मालगोदाम रोड पर कुल 949 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले व्यापक पार्किंग स्थल का आवंटन। (साइट प्लान के अनुसार)		
	मुस्ताफाबाद रेलवे स्टेशन पर कुल 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में व्यापक पार्किंग स्थल का आवंटन। (साइट प्लान के अनुसार)		
UMB-Mix-45-2026	साइट प्लान के अनुसार, स्टेशन बिल्डिंग के पास सफ़्फ़ोल्टिंग एरिया में 507 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक व्यापक पार्किंग स्थल और रामपुरा फूल (PUL) रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार (2nd Entry) पर कुल 386.82 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग स्थल।	02.11.2026 12:00:00	
बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यदि निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी इंद्रजीत सिंह को वार्ड नंबर 09 से पार्श्व पद का टिकट प्रदान करती है, तो			3622/2026
गाहकों की सेवा में मुक्तकान के साथ			

संपादकीय

महंगाई की दोहरी मार– खाद्य पदार्थों से ईंधन तक बढ़े दाम, आम आदमी पर बढ़ा बोझ

चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होमुंज जलमार्ग में अवरोध से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत बढ़ गई है। पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 11.39 फीसद हो गई, जो अगस्त में 9.92 फीसद थी। इसका प्रमुख कारण खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन एवं बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी है। इसी माह के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर तेईस माह के उच्च स्तर 5.54 फीसद पर पहुंच गई, जो अगस्त में 4.83 फीसद थी।इसमें दोगाय नहीं कि महंगाई का प्रभाव केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह लोगों की बचत, जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। ऐसे में सवाल है कि जरूरी वस्तुओं के दामों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार की ओर से तात्कालिक एवं प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं। क्या सरकार को इस बात का भान नहीं है कि इससे आम लोगों की परेशानी बढ़ने के साथ देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर पड़ सकता है?गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही थोक महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होमुंज जलमार्ग में अवरोध से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत बढ़ गई है। भारत अपने कच्चे तेल का अधिकतर हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। इन बढ़ी हुई लागतों का असर खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा है। मगर अहम सवाल यह है कि तात्कालिक और भावी परिस्थितियों का आकलन कर सरकार की ओर से इस संकट से निपटने के लिए समय पर कोई प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए गए?हालांकि बढ़ती महंगाई के दबाव को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.25 फीसद की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसद कर दिया था। मगर, महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती। खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएं, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बनती हैं।

मोबाइल और इंटरनेट ने बढ़ाई सुविधाएं, फिर क्यों घट रहा है अपनों से संवाद?

(पारुल तोमर)

सही है कि आज का जीवन तकनीक के बिना अधूरा है। सुबह आंख खुलते ही मोबाइल सामने होता है और दिन का काम कंप्यूटर, इंटरनेट तथा दूसरे डिजिटल उपकरणों के सहारे आगे बढ़ता है। घर हो या कार्यालय, गांव हो या महानगर, विद्यार्थी हो या बुजुर्ग, तकनीक आधुनिक जीवन की सामान्य जरूरत बन चुकी है। विज्ञान ने हमारी दुनिया को केवल बदला नहीं, उसकी गति और जीवन-शैली दोनों को बदल दिया है। तकनीक अपने आप में न वरदान है, न अभिशाप। उसका स्वरूप उसके उपयोग से तय होता है। वही विस्फोटक शक्ति खनन में उपयोगी हो सकती है और विनाश का कारण भी। इसलिए सवाल तकनीक के होने का नहीं, उसके विवेकपूर्ण इस्तेमाल का है।

इस बदलाव का सबसे प्रभावशाली उदाहरण मोबाइल फोन है। कभी दूर बैठे व्यक्ति का हाल जानने के लिए चिट्ठी का इंतजार करना पड़ता था। फिर टेलीफोन आया और अब मोबाइल ने आवाज के साथ तस्वीर, समाचार, पुस्तक, बाजार, बैंक, शिक्षा और मनोरंजन सबको जेब में समेट लिया है। कुछ स्पर्शों में टिकट बुक हो जाता है, पैसे का लेन-देन हो जाता है, किसी रास्ते का पता मिल जाता है और दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से बातचीत संभव हो जाती है। शिक्षा और चिकित्सा में भी इसका उपयोग दूरियां घटाता है। विद्यार्थी घर बैठे ज्ञान के विविध स्रोतों तक पहुंच सकता है, विशेषज्ञों से जुड़ सकता है। इस अर्थ में आधुनिक तकनीक केवल सुविधा के उपकरण नहीं, मनुष्य की क्षमताओं के विस्तार के साधन हैं। समस्या तब शुरू होती है, जब साधन धीरे-धीरे



जीवन का संचालक बन जाए। मोबाइल हाथ में होना आवश्यकता है, हर क्षण उसे देखते रहना आदत। इंटरनेट ज्ञान का माध्यम है, पर लगातार स्क्रीन पर बने रहना निभरता। यही वह बिंदु है, जहां सुविधा हमारे व्यवहार को बदलने लगती है। आज घर का दृश्य इस बदलाव को साफ दिखाता है। परिवार साथ बैठा है, मगर हर व्यक्ति अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। भोजन की मेज पर बातचीत के बीच मोबाइल है। बच्चे मैदान से अधिक स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। पति-पत्नी, मित्र और परिवारजन एक-दूसरे के सामने होते हुए भी अपने-अपने आभासी संसार में मौजूद रहते हैं।

हमने संवाद के साधन बढ़ाए हैं, लेकिन संवाद के अवसर घटा दिए हैं। कभी घर की बैठक, मोहल्ले की चौपाल, चाय की दुकान या शाम की टहल सामाजिक जीवन के सहज स्थल थे। वहां खबर केवल सुनाई नहीं जाती थी, साझा की जाती थी। सुख-दुख केवल संदेश नहीं होते थे, उनमें लोग

विचार/मंथन

(नीरज कुमार दुबे)
यूपी की राजनीति में पद केवल नाम के आगे लगने वाला तमगा नहीं होता। उसके साथ समर्थकों की फौज, टिकट की दावेदारी, संगठन पर पकड़ और भविष्य की सियासी संभावनाएं भी जुड़ी होती हैं। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी से उतरना किसी नेता के लिए महज जिम्मेदारी बदलना नहीं, अपने प्रभाव का हिसाब-किताब भी होता है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कब कौन किस पाले में चला जाए, इसकी गारंटी न दिल्ली दे सकती है, न लखनऊ का कोई सियासी पंडित। अब कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लेकर भी यही सवाल उठने लगा है कि क्या वह एक बार फिर भाजपा का दामन थाम सकते हैं? सवाल उठ रहा है कि जिस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी में बार-बार चुनौती दी, क्या वही नेता अब कांग्रेस में अपनी सियासी जमीन खिसकती देख पुराने घर की ओर लौटने का रास्ता तलाश रहे हैं? फिलहाल यह अटकल है। लेकिन प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी छिन्न, नए नेतृत्व से तनातनी और लखनऊ कांग्रेस दफ्तर में जूते-चप्पल चलने के बाद इन चर्चाओं को हवा जरूर मिल गई है।वैसे कहавत है कि घर का भेदी लंका ढाए, लेकिन यूपी कांग्रेस का हाल देखिए, यहां लंका ढहाने के लिए विपक्ष को मशक़त करने के तरीके से वह असहज थे। उन्हें लगता है कि उनकी भूमिका और राजनीतिक हैसियत को नजरअंदाज किया गया।

देखा जाये तो यूपी की राजनीति में पद केवल नाम के आगे लगने वाला तमगा नहीं होता। उसके साथ समर्थकों की फौज, टिकट की दावेदारी, संगठन पर पकड़ और भविष्य की सियासी संभावनाएं भी जुड़ी होती हैं। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी से उतरना किसी नेता के लिए महज जिम्मेदारी बदलना नहीं, अपने प्रभाव का हिसाब-किताब भी होता है। यही वजह है कि अब चर्चा चल रही है कि कांग्रेस उन्हें गुजरात जैसे किसी दूसरे राज्य में संगठनात्मक जिम्मेदारी देकर मनाने की कोशिश कर सकती है। दूसरी तरफ भाजपा में वापसी की

संभावना भी सियासी गलियारों में तैर रही है। उल्लेखनीय है कि अजय राय 1996 से 2009 तक भाजपा में रहे और उसके टिकट पर तीन बार विधायक चुने गए थे।

दूसरी ओर, लखनऊ के कांग्रेस मुख्यालय में जो हुआ, वह महज दो नेताओं के समर्थकों की कहसुनी मानकर टाल देने वाला मामला नहीं है। आराधना मिश्रा



के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान अजय राय और ममता चौधरी से जुड़े गुट आमने-सामने आ गए। विवाद रास्ता देने और अध्यक्ष को लेकर हुई टिप्पणी से शुरू हुआ बताया गया, लेकिन देखते ही देखते मामला धक्का-मुक्की और जूते-चप्पल तक पहुंच गया था। देखा जाये तो इस घटना ने यूपी कांग्रेस को एक पुरानी बीमारी को फिर उजागर कर दिया है।

पाटी में कार्यकर्ताओं से ज्यादा नेताओं की फौज दिखाई देती है। हर नेता को अपना खेमा चाहिए, हर खेमे को अपनी हैसियत चाहिए और हर हैसियत को संगठन में अपनी हिस्सेदारी चाहिए। सवाल यह है कि जब पार्टी कार्यालय में ही नेतृत्व की इज्जत और अनुशासन की हिफाजत नहीं हो पा रही, तो गांव-कस्बों में संगठन खड़ा करने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?

एक ओर चुनाव सामने हैं दूसरी ओर ऐसे वक्त पर अगर पदभार ग्रहण समारोह में जूते चल रहे हैं, तो टिकट बंटवारे, जिला अध्यक्षों की नियुक्ति और चुनावी गठबंधन के वक्त यह खींचतान किस मुकाम पर पहुंचेगी इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है। यह आशंका

है। यदि किसी नेता के प्रभाव के कारण शिकायत दबती है, तो संगठन के भीतर बराबरी और सम्मान के दावों पर सवाल उठेंगे। और यदि जांच से पहले ही किसी को दोषी ठहरा दिया जाता है, तो निष्पक्ष प्रक्रिया पर सवाल खड़े होंगे। साथ ही अजय राय की नाराजगी का एक पहलू समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस के रिश्तों से भी जुड़ा बताया जा रहा है। पार्टी के भीतर ऐसी चर्चा है कि अखिलेश यादव के साथ बेहतर तालमेल बैठाने की कवायद में प्रदेश नेतृत्व बदलने का फैसला लिया गया। अजय राय के समाजवादी पार्टी के साथ रिश्ते सहज नहीं रहे, जबकि प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा को गठबंधन के लिहाज से अपेक्षकृत सुविधाजनक मान जाता है।

इसके अलावा, सोमवार को दिल्ली में राहुल गांधी के आह्वान पर निकले कांग्रेस के विरोध मार्च में अजय राय की गैरमौजूदगी ने भी अटकलों को हवा दी। जब प्रदेश में संगठनात्मक बदलाव के बाद नाराजगी खुलकर सामने आ रही हो और पूर्व अध्यक्ष राष्ट्रीय कार्यक्रम से दूर रहें, तो सवाल उठना लाजिमी है कि मामला सिर्फ पद का है या राजनीतिक भविष्य का भी। हालांकि अजय राय के सामने पिंडरा विधानसभा सीट का अपना सियासी हिस्सा भी है। वह वहां से अपनी दावेदारी को लेकर सक्रिय रहना चाहते हैं। ऐसे में गुजरात की जिम्मेदारी स्वीकार करना, यूपी में अपनी जमीन पर ध्यान देना या किसी दूसरे राजनीतिक विकल्प पर विचार करना, इन संभावनाओं के बीच उनकी अगली चाल पर सबकी नजर रहेगी।

साथ ही यूपी कांग्रेस के सामने संकट केवल अजय राय की नाराजगी का नहीं है। संकट उस संगठनात्मक संस्कृति का है, जिसमें पद बदलते ही पुराने और नए नेतृत्व के बीच अविश्वास सिर उठाने लगता है। यदि हर बदलाव को प्रतिष्ठा की लड़ाई बना दिया जाएगा, तो संगठन का विस्तार कैसे होगा? और यदि हर असहमति समर्थकों की भिड़ंत में बदल जाएगी, तो आम कार्यकर्ता अपनी जगह कहां तलाशेंगे? उत्तर प्रदेश में चुनावी राजनीति केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस, बयानबाजी और बड़े नेताओं की तस्वीरों से नहीं चलती। बूथ पर कार्यकर्ता चाहिए, गांव में भरोसा चाहिए और टिकट न मिलने पर भी संगठन के साथ खड़े रहने की राजनीतिक संस्कृति चाहिए। पार्टी कार्यालय में जूते-चप्पल चलना इसी कसौटी पर कांग्रेस के सामने असहज सवाल खड़ा करता है। बहरहाल, अजय राय भाजपा में लौटेंगे या कांग्रेस उन्हें कोई नई जिम्मेदारी देकर रोक लेगी, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा।

वर्ग पहेली 6245

1	2	3		4		5		
6								
	7		8		9		10	
11		12				14		
15	16			17		18		
19						20	21	
						22		
23					24			

संकेत:
बाएँ से दाएँ

- 1979 के दिन इस ताल्कालीन राष्ट्रपति ने लोकसभा भंग की थी (8)
- राजवांशिक, सिंहसनाकबुद्ध हो जाने के समय युवराज के मरतक पर लगाया लाने वाला टीका (3)
- स्वीकार करना, मानना (3)
- अस्वकार, अपरिचित, अनजान, पराया (3)
- गीत गाने या कोलने का संग, शब्दों को उच्चारण करने का खासा संग (3)
- यह क्षेत्रप्रदेश के प्रांत का नगर एवं संघाग है जो प्रदेश प्रांत के विंध्य पठार के एक हिस्से का निर्माण करता है (2)
- फायदा, मुनाफा, प्राप्ति (2)
- दौड़ने वाला, धावक (3)
- दाघ का पिता, प्रतितामह (4)
- विजय, प्रतिकूल, उलटा (3)
- तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
- जिसेक पार अथर संघर्ष हो, घनघर्ष, महायात्रा, घनाट्टय (3)
- पुखी, जमीन, सीता की एक सहेली का नाम (1)

ऊपर से नीचे

- लोक व्यवहार हेतु नियत किया गया

- प्रबल अभिलाषा, तीव्र उल्लंघा (3)
- मान्य और सर्वश्रेष्ठ, पसंद किया हुआ (4)
- सजीव रहना, जिव रहव, जीवित होना (2)
- स्वयं के मूल्य के छोटे-छोटे विवेक (4)
- जो सीधे न जाकर झल खाता हुआ गया हो (5)
- अनजान, अपरिचित, अज्ञात (4)
- हान्युक्त स्वरो में अतिरिक्त धन प्रदर्शन (3)
- प्राणतथ, जीवन, जानकरी, पहचान (2)
- अन मोचन, अविचुरि, भुगतान, आकष पत्र (4)
- पहरेदार या रक्षक को यह भी कहा जाता है (3)
- उर्ई का एक अक्षर, अलक, जुलफ, फोज का दस्त, दूर, दूरी पर, समूह (2)

ले	मा	नि	का	कु	रा	ल
अ	म		द	ह	रा	त
न	न	न		ल	व	वा
म	क	रा		ली	त	र
का	सु	क		खो	वा	
	झ		न	म	अ	द
	घे	घ	र		म	ल
ड	र		मी	न		

तुला

आज,टीमवर्क का फायदा

मिलेगा।खर्च के मामले में आपको थोड़ा कंट्रोल करके चलना होगा।।कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का फायदा मिलेगा।।आप कोई साहसिक फैसला लेकर भविष्य में लाभ प्राप्त कर सकते हैं।।कोई पुराना संपर्क आपके काम आ सकता है।।पारिवारिक जीवन में आपको पुराने दोस्तों और परिचितों से मिलने का मौका मिलेगा।।

धनु

आज,अप्रत्याशित खर्च

संभव है।।आपको अपने काम में मन को स्थिर करना होगा।।मानसिक विकलता और अस्थिरता की वजह से आपको परेशानी हो सकती है।।कुछ अप्रत्याशित खर्च का भी आपको कल सामना करना होगा।।संकेत और यात्रा पर भी खर्च हो सकता है।।पारिवारिक जीवन में आपकी किसी समस्या का समाधान होगा।।

कृंभ

आज,कुछ नया काम और मौका पाएंगे।।आपको कल खर्च के साथ ही साथ कमाई का भी मौका मिलेगा जिससे आर्थिक संतुलन बना रहेगा।।कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नया काम और मौका मिल सकता है।।तकनीकी काम में बिना जानकारी के हाथ डालने से बचना होगा।।किसी बात का लोग गलत मतलब निकाल सकते हैं, वाणी संयमित रखें।।

वृश्चिक

आज,लाभदायक डील

पाएंग।कार्यक्षेत्र में लाभ और उन्नति का मौका मिलेगा।।वैसे आपके ऊपर काम का अधिक दबाव भी रह सकता है।।कारोबार में लाभदायक डील मिलने और कुछ नई साझेदारी होने की भी खुशी मिलेगी।।आपका कोई अटका काम बन जाने की भी आपको खुशी होगी।।

मकर

आज,फैसला लेने में जल्दबाजी से बचना होगा।।आपको दोस्तों और साझेदारों से सहयोग मिलेगा।।टीमवर्क का भी आपको फायदा मिलेगा।।मानसिक द्वंद भी बना रहेगा जिससे बड़े फैसले लेने में जल्दबाजी से बचना होगा।।आर्थिक लाभ का संयोग बनेगा।।घर और परिवार पर खर्च होगा।।वाहन और स्वास्थ्य पर भी व्यय हो सकता है।।

मीन

आज,कारोबार में लाभ का मौका मिलेगा।।आप अपने सामाजिक दायरे का विस्तार कर पाएंगे।।शिक्षा और प्रबंधन के काम में सफलता पाएंगे।।कारोबार में लाभ का मौका मिलेगा।।फैमिली बिजनेस में परिवार का सपोर्ट बना रहेगा।।घर परिवार में वरिष्ठ व्यक्तियों का सहयोग और मार्गदर्शन पाएंगे।।

गृष

आज,भावनाओं का ध्यान रखना होगा।।धन और करियर संबंधी मामलों में कल क दिन आपके लिए खसीला रह सकता है।।विरोधियों से भी आपको सतर्क रहना होगा।।अगर आप लोन लेना चाहते हैं तो इसके लिए दिन अनुकूल रहेगा।।पारिवारिक जीवन में जीवनसाथी की सहेत और भावनाओं का ध्यान रखना होगा।।

कर्क

आज,काम का अधिक दबाव रहेगा।।आज का दिन आपको लाभ के साथ खर्च के लिए भी कल तैयार रहना होगा।।वाहन और स्वास्थ्य कारणों पर भी आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।।नौकरी में आपको काम का अधिक दबाव का सामना करना होगा।।विरोधियों और प्रतिद्वंद्वियों से सतर्क रहना होगा।।

कन्या

आज,सुख साधनों का लाभ पाएंगे।।करियर और काम के लिहाज के दिन अनुकूल रहेगा।।विदेशी क्षेत्र से जुड़े काम में आपको फायदा मिलेगा।।कोई पुराना मित्र या परिचित आपके काम आ सकता है।।बिजनेस में आपको लाभदायक डील मिल सकती है।।घर परिवार के मामले में दिन सुखद रहेगा।।

मेष

आज,लाभ प्राप्ति का संयोग बनेगा।।आर्थिक मामलों में आपको अपने प्रयास का प्रतिफल मिलेगा।।विदेशी क्षेत्र से भी आप लाभ प्राप्त कर पाएंगे।।धर्म कर्म के काम में भी आपसी रुचि रहेगी और दान पुण्य करेंगे।।पारिवारिक जीवन में आपसी तालमेल और प्रेम बना रहेगा।।

मिथुन

आज काम में गतिशीलता बढ़ेगी।।आर्थिक मामलों में लाभ पाएंगे।।दोस्ती और साझेदारी लाभदायक रहेगी।।काम में गतिशीलता बढ़ेगी।।साहसिक फैसला ले पाएंगे।।पहले किए गए काम से फायदा होगा।।पारिवारिक जीवन में आपसी निकटता बढ़ेगी।।बच्चों की संबंधी आपकी चिंता परेशानी में कमी आएगी।।

सिंह

आज, दिन आपका सुखद बीतेगा।।करियर और काम के लिहाज के दिन अनुकूल रहेगा।।विदेशी क्षेत्र से जुड़े काम में आपको फायदा मिलेगा।।कोई पुराना मित्र या परिचित आपके काम आ सकता है।।बिजनेस में आपको लाभदायक डील मिल सकती है।।घर परिवार के मामले में दिन सुखद रहेगा।।

संक्षिप्त समाचार



नई दिल्ली , एजेंसी। देश में महंगाई दर में बढ़ोतरी के बाद भी दिल्ली वाले जमकर खरीदारी कर रहे हैं। घर, गाड़ी के साथ अन्य खरीदारी के चलते दिल्ली सरकार की राजस्व प्राप्ियों में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती छह महीनों में पिछले वित्त वर्ष के इसी अवधि के मुकाबले

7.58 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान कुल 33,877.68 करोड़ की कमाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में इसी दौरान यह कमाई 31,489.26 करोड़ थी। सरकार की कमाई का सबसे बड़ा स्रोत अब भी जीएसटी है। सितंबर 2026 तक इससे 19,023.42 करोड़ मिले, जो कुल राजस्व प्राप्तियों का करीब 56 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि, जीएसटी से होने वाली कमाई में बढ़ोतरी पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले केवल 1.67 फीसदी की ही बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान दिल्ली सरकार का वैट 13.24 फीसदी बढ़तर 3826.43 करोड़ रुपये पहुंच गया।

सैफ अली खान ने किराए

पर दी प्रॉपर्टी, 22.76 लाख रुपये महीने का किराया

नई दिल्ली, एजेंसी। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान ने मुंबई के अंधेरी-कुर्ला रोड पर अपनी एक प्रॉपर्टी को किराए पर दिया है। इस प्रॉपर्टी में दो यूनिट हैं। जिसका एरिया 5692 स्कावयर फीट है। सैल अली खान को इस रियल एस्टेट से हर महीने 22.76 लाख रुपये की कमाई होगी। इस प्रॉपर्टी को एक फिन्टेक कंपनी को किराए पर दिया गया है। बता दें, फिलहाल यह डील 5 साल के लिए हुई है।

लीव और लाइसेंस एग्रीमेंट 29 सितंबर 2026 को साइन किया गया। यह कॉन्ट्रैक्ट 5 साल के लिए है। जिसकी समय सीमा 10 मई 2026 से 9 मई 2031 तक रहेगी। बता दें, इस जगह को थ्रवा फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड ने किराए पर लिया है। इस कंपनी के डायरेक्टर विकास मोहन सचदेवा हैं। इस एग्रीमेंट में 2.36 करोड़ रुपये का सिक्योरिटी डिपॉजिट भी शामिल है। जोकि 10 महीने के किराए के बराबर है। कंपनी को दो महीने का रेंट फ्री मिला है। बता दें, हर साल किराए में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। एग्रीमेंट के अनुसार 60 महीने के टाइम पीरियड के लिए फिनटेक कंपनी को 14 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। जिसमें जीएसटी शामिल नहीं है। प्रॉप्टी के रजिस्ट्रेशन के अनुसार यह कॉमर्शियल यूनिट अंधेरी ईस्ट के चाकला में कनिका वाल स्ट्रीट में स्थित है। कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार प्रॉप्टी का एरिया 5692 स्कावयर फीट का है। जिसका मासिक किराया 2276800 रुपये है। रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट दिखाता है कि इन दो कॉमर्शियल यूनिट को सैफ अली खान ने नवंबर 2025 में खरीदा था। रिकॉर्ड डेट अनुसार दोनों यूनिट का मिलाकर फिल्म अभिनेता ने 30.75 करोड़ रुपये खर्च किए थे। फिल्म अभीनेता का लक्जरी अपार्टमेंट मुंबई के बांद्रा वेस्ट में स्थित है। एक दशक पहले सैफ अली खान ने सतगुरु शरण बिल्डिंग में फ्लैट खरीदा था। इसके अलावा मुंबई में उनके पास कई अन्य प्रॉपर्टी भी है।

11 साल के बाद फिर से बोनस शेयर, डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली , एजेंसी। तिमाही नतीजों के साथ-साथ बोनस शेयर और डिविडेंड का ऐलान करने वाली आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयरों की कीमतों में आज 5 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर आज शुक्रवार को बीएसई में बढ़त के साथ 1714.95 रुपये के स्तर पर बीएसई में ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 1538.40 रुपये (९:22 ड़्ड) के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया है।

फेस्टिव सीजन के बीच सोने और चांदी की कीमत में तेजी



नई दिल्ली , एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार में तेजी आई है। एससीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 300 रुपये से ज्यादा उछल गया जबकि चांदी 1400 रुपये महंगी हो गई। हालांकि एशियाई कारोबार की शुरुआत में सोने की कीमतों में मामूली गिरावट आई। इससे पहले के सत्र में सोना

टाटा ट्रस्ट विवाद

मुंबई , एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स से जुड़े दो धर्मार्थ ट्रस्टों ने मेहली मिस्त्री के उस अधिकार पर सवाल उठाया, जिसके आधार पर वह उनके कामकाज को लेकर आपत्तियां उठा रहे हैं। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) और बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन ने चैरिटी कमिश्नर कार्यालय में दाखिल हलफनामों में कहा कि मिस्त्री का ट्रस्टी के रूप में कार्यकाल 28 अक्तूबर 2025 को समाप्त हो गया था। ऐसे में इसके बाद ट्रस्टों के कामकाज पर सवाल उठाने का उनके पास अधिकार नहीं है।

मेहली मिस्त्री दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाते थे। उन्होंने कथित तौर पर चैरिटी कमिश्नर के समक्ष शिकायत की थी कि दोनों ट्रस्टों में प्रशासनिक खामियां और हितों के टकराव की स्थिति है। उन्होंने ट्रस्टों के फैसले लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए थे।

ट्रस्टों ने कार्यकाल का दिया हवाला: दोनों ट्रस्टों ने अलग-अलग हलफनामे दाखिल कर कहा कि मिस्त्री को तीन साल के लिए ट्रस्टी नियुक्त किया गया था। उनके मुताबिक, पूर्व ट्रस्टी होने के आधार पर मिस्त्री को अब ट्रस्टों के प्रशासन और कामकाज को चुनौती देने का अधिकार नहीं है। ट्रस्टों ने चैरिटी कमिश्नर कार्यालय से

मेहली मिस्त्री को आपत्ति का अधिकार नहीं, 2025 में ही खत्म हो चुका कार्यकाल

दो धर्मार्थ ट्रस्टों ने मेहली मिस्त्री पर सवाल उठाया



आग्रह किया कि मिस्त्री की आपत्तियों के गुण-दोष पर विचार करने या किसी जांच का आदेश देने से पहले यह तय किया जाए कि उनकी याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं और संबंधित कार्यालय को इस पर सुनवाई का अधिकार क्षेत्र प्राप्त है या नहीं।

एसडीटीटी ने कहा कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) और बाई हीराबाई अलग-अलग सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट हैं। इनके संचालन के दस्तावेज, बोर्ड, संपत्तियां और खाते अलग हैं। इसलिए मिस्त्री की ओर से सभी मामलों की एक ही

अर्थ/बाजार

मेहली मिस्त्री को आपत्ति का अधिकार नहीं, 2025 में ही खत्म हो चुका कार्यकाल

दो धर्मार्थ ट्रस्टों ने मेहली मिस्त्री पर सवाल उठाया

नोएल टाटा को रिपोर्टिंग ट्रस्टी बनाने का प्रस्ताव

इस बीच, बाई हीराबाई ट्रस्ट ने मामले में विजय सिंह के इस साल की शुरुआत में ट्रस्टी पद से हटने के बाद उनकी जगह नोएल टाटा को रिपोर्टिंग ट्रस्टी नियुक्त करने के लिए आवेदन दिया है।यह मामला ट्रस्ट के कामकाज को लेकर मिस्त्री की शिकायतों से संबंधित है।मिस्त्री ने गुरुवार को एक आवेदन दाखिल कर बाई हीराबाई ट्रस्ट से हलफनामा देने को कहा कि नोएल टाटा ट्रस्टी बनने के लिए निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी करते हैं। मिस्त्री ने अपने आवेदन में कहा कि उप चैरिटी कमिश्नर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रस्तावित रिपोर्टिंग ट्रस्टी नोएल टाटा, 7 दिसंबर 1923 की ट्रस्ट डीड की धाराओं 6 और 18 के तहत योग्य हों।उनके मुताबिक, ट्रस्ट डीड में ट्रस्टी के पारसी समुदाय से होने और जोरास्ट्रियन धर्म का पालन करने की शर्त का जिक्र है।मिस्त्री ने यह भी दावा किया कि बाई हीराबाई के बोर्ड में कुछ ऐसे ट्रस्टी हैं, जो नियुक्ति के लिए निर्धारित शर्तें पूरी नहीं करते।उनके अनुसार, ट्रस्ट डीड में ट्रस्टी के मुंबई या नवसारी का स्थायी निवासी होने और पारसी जोरास्ट्रियन धर्म से संबंधित होने की शर्त रखी गई है।इस बीच, एक अलग सुनवाई में सर रतन टाटा ट्रस्ट ने चैरिटी कमिश्नर को बताया कि 15 मई के आदेश के कारण उसे चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।इस आदेश के तहत ट्रस्ट को कोई बैठक करने से रोक दिया गया है।

कार्यवाही में सुनवाई की मांग स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।**ट्रस्ट डीड की शर्तों पर भी विवाद:** बाई हीराबाई ट्रस्ट ने अपने हलफनामे में ट्रस्ट डीड की धाराओं 6 और 18 की मिस्त्री की व्याख्या पर आपत्ति जताई। ये धाराएं ट्रस्टी बनने के लिए धर्म और निवास से जुड़ी

पात्रता शर्तों से संबंधित हैं। ट्रस्ट ने तर्क दिया कि ये प्रतिबंध मूल वसीयत और उससे जुड़े कोडिसिल के प्रारधानों से टकराते हैं, इसलिए इन्हें प्रभावी नहीं माना जाना चाहिए। मिस्त्री को इन हलफनामों पर जवाब दाखिल करने के लिए 5 नवंबर तक का समय दिया गया है।

पात्रता शर्तों से संबंधित हैं। ट्रस्ट ने तर्क दिया कि ये प्रतिबंध मूल वसीयत और उससे जुड़े कोडिसिल के प्रारधानों से टकराते हैं, इसलिए इन्हें प्रभावी नहीं माना जाना चाहिए। मिस्त्री को इन हलफनामों पर जवाब दाखिल करने के लिए 5 नवंबर तक का समय दिया गया है।

बजट हुआ गड़बड़: वस्तुओं का निर्यात करने वाली कंपनियों का कहना है कि शिपिंग की लागत पहले के मुकाबले 5-6 गुना ज्यादा हो गई है। भू-राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति भूखला प्रभावित हुई है और विनिर्माण कंपनियों की हालत खस्ता हैं। स्टील,

टाटा के दिग्गज शेयर ने किया मालामाल, 25 साल में 10 हजार रुपये के बना दिए 3 करोड़ रुपये से ज्यादा

मुंबई, एजेंसी। टाइटन ने 25 साल में अपने निवेशकों को 1 बार बोनस शेयर दिए और स्टॉक स्प्लिट भी किया। कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय सेहत, मैनेजमेंट और उसके फंडामेंटल्स को देखकर लंबी अवधि के लिए लगाया गया दांव आपको मालामाल कर सकता है। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन इसका बेहतरीन उदाहरण है। टाइटन के शेयरों ने 25 साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। टाइटन के शेयरों में 25 साल पहले लगाए गए 10 हजार रुपये अब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा बन गए हैं। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रहे और बिग बुल नाम से मशहूर राकेश झुनझुनवाला ने भी टाइटन पर बड़ा दांव लगाया था। टाटा ग्रुप की इस दिग्गज कंपनी ने 25 साल की अवधि में 1 बार बोनस शेयर दिया और अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) भी किया है।

10 हजार रुपये के ऐसे बन गए 3 करोड़ रुपये से ज्यादा: टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन के शेयर 16 अक्टूबर 2001 को 1.45 रुपये के स्प्लिट/बोनस एडजस्टेड प्राइस पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 16 अक्टूबर 2001 को टाइटन के शेयरों में 10000 रुपये लगाए होते तो आज की तारीख में उसके पास टाइटन कंपनी के 6896 शेयर होते। टाइटन के शेयर 15 अक्टूबर 2026 को बीएसई में 4450.10 रुपये पर बंद हुए हैं। ऐसे में 6896 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 3.06 करोड़ रुपये होती।

1 बार बोनस शेयर और 10 टुकड़े में बांटे शेयर: टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन ने अपने शेयरधारकों को एक बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है।

टैक्स हटाने की घोषणा से ही नहीं सुधरेगा मार्केट, सरकार को रोजगार के नए अवसर बनाने होंगे

नई दिल्ली , एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि सरकार बजट से पहले होने वाली चर्चाओं में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स हटाने पर सुझाव सुनना चाहेगी। हालांकि, उन्होंने यह पक्का नहीं किया कि यह टैक्स हटाया जाएगा या इसकी दर कम की जाएगी। आज देसी और विदेशी, दोनों निवेशक एलटीसीजी टैक्स पर मुखर हैं। लेकिन, मेरे ख्याल से वित्त मंत्री की बात सही है।

कम नहीं होगी दर: सरकार ने इससे पहले अस्थायी तौर पर शेयर बाजार में वायदा कारोबार पर सिक्योरिटीज ट्रांज़ैक्शन टैक्स लगाया था, लेकिन वित्त वर्ष 2026-

27 के बजट में स्ख़न्न की दर 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत कर दी गई। बाजार की अभी जो स्थिति है उसमें लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन का सवाल ही नहीं है, क्योंकि ज्यादातर निवेशकों के लिए मुनाफ़ा कमाना मुश्किल हो रहा है। हर जगह ज्यादातर घाटा है। फिलहाल, मुझे ऐसा नहीं लग रहा है कि एलटीसीजी कम होने वाला है। मेरे ख्याल से विचार कर सकती है या कर की दर थोड़ी कम कर सकती है।

अर्थव्यवस्था सुधारना जरूरी: बाजार में 1,100 अंकों की तेजी को एलटीसीजी पर वित्त मंत्री के बयान के संभावित असर के तौर पर देखा गया। हालांकि,

बाजार की लंबी अवधि की दिशा अर्थव्यवस्था और दूसरे कारकों पर भी निर्भर करेगी। फिलहाल, बाजार में लगातार बिकवाली देखने को मिल रही है। जब तक अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं होगा, टैक्स हटाने की घोषणा भर से बाजार की स्थिति नहीं सुधरने वाली। अभी देश की इकोनमी सुधारने पर जोर होना चाहिए।

बजट हुआ गड़बड़: वस्तुओं का निर्यात करने वाली कंपनियों का कहना है कि शिपिंग की लागत पहले के मुकाबले 5-6 गुना ज्यादा हो गई है। भू-राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति भूखला प्रभावित हुई है और विनिर्माण कंपनियों की हालत खस्ता हैं। स्टील, एल्युमिनियम, कॉपर का इस्तेमाल करने वाली कंपनियों की हालत बुरी है। कीमतों में अचानक आई तेजी से उनका बजट गड़बड़ हो गया है। इसलिए अभी निवेश से पहले यह देखना चाहिए कि किस सेक्टर के प्रभावित होने के आसार हैं और कौन-सा सेक्टर रक्षा कवच हो सकता है।

रोजगार चाहिए:अभी देश में सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है। सरकार को रोजगार के नए अवसर बनाने होंगे। इससे अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा। अगर आप समस्या के बारे में पूछें तो फिलहाल चल रहे विरोध-प्रदर्शन हैं।

इस कर का क्या उद्देश्य है
विंडफॉल कर का एक अन्य उद्देश्य निर्यातकों को अनुचित लाभ लेने से रोकना था।पश्चिम एशिया में युद्ध शुरु होने के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई थीं।इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर निर्यातक अधिक मुनाफा कमा रहे थे।सरकार चाहती थी कि पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित हो।

क्या घरेलू बाजार पर असर पड़ेगा
वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल की मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।इसका मतलब है कि देश के भीतर उपभोक्ताओं के लिए कीमतों पर सीधा असर नहीं पड़ेगा।यह कदम मुख्य रूप से निर्यात को हतोत्साहित करने और देश में पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए है।

पेट्रोल निर्यात पर विंडफॉल कर बढ़ा, डीजल पर सरकार ने दी राहत

नई दिल्ली , एजेंसी। सरकार

ने 16 अक्तूबर से शुरू होने वाले पखवाड़े के लिए निर्यात होने वाले पेट्रोल पर विंडफॉल कर बढ़ा दिया है। वहीं, डीजल के निर्यात पर लगने वाले कर में कटौती की गई है। एटीएफ के निर्यात पर लगने वाला शुल्क 10.5 रुपये प्रति लीटर पर बरकरार रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के माध्यम से इन दरों में बदलाव की जानकारी दी है।

डीजल निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को रोक और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस के साथ घटाया गया है। यह अब 16 रुपये प्रति लीटर से कम होकर 8.5 रुपये प्रति लीटर हो गया है। दूसरी ओर, पेट्रोल निर्यात पर शुल्क 0.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 2.5 रुपये प्रति



लीटर कर दिया गया है। ये नई दरें शुक्रवार, 16 अक्तूबर से प्रभावी हो गई हैं। घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल की मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

विंडफॉल कर क्यों लगाया गया था: सरकार ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच मार्च 27

को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसका मुख्य उद्देश्य ईंधन की घरेलू उपलब्धता को बढ़ाना था। मई 16 से पेट्रोल निर्यात पर भी यह कर लागू किया गया था। सरकार हर पखवाड़े इन दरों की समीक्षा करती है और उनमें बदलाव करती है।

शुरु में सबने नकारा, पर पति-पत्नी डिगो नहीं, खड़ी कर दी सालाना 8 करोड़ कमाई वाली कंपनी

नई दिल्ली , एजेंसी। यह कहानी

के साथ अपने काम की शुरुआत की। बच्चों के कपड़ों में फैशन के बजाय पति-पत्नी ने सहूलियत, सुरक्षा और आराम को प्राथमिकता दी। पढ़ाई के दौरान मिले इस कपल ने साल 2021 में अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम कोकून केयर है। कॉटन के विकल्प के तौर पर दोनों ने इको-फ्रेंडली बैम्बू फैब्रिक (बांस के कपड़े) को चुनकर नया ट्रेंड सेट किया। आज यह स्टार्टअप करोड़ों की कमाई कर रहा है। आइए, यहां सुर्खी राठी मेंदपारा और करुणाल मेंदपारा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सुर्खी और करुणाल की मुलाकात एमबीए की पढ़ाई के दौरान हुई थी। 2015 में डिग्री पूरी करने के बाद सुर्खी ने मार्केटिंग और मेक-अप आर्टिस्ट के रूप में काम किया। करुणाल फाइनैस एनालिस्ट बने। 2018 में शादी के बाद दोनों के बिजनेस बैकग्राउंड ने उन्हें खुद का काम शुरू करने के लिए प्रेरित किया। बड़ों के कपड़ों के बाजार में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा देखकर उन्होंने बेबीवेयर (बच्चों के कपड़े) सेगमेंट पर फोकस किया। उनका मानना था कि नवजात शिशुओं को दिन में दर्जनों बार कपड़े बदलने पड़ते हैं। इसलिए बच्चों के कपड़ों में स्टाइल से ज्यादा उनकी उपयोगिता सर्वोपरि होनी चाहिए। कॉटन का बेहतर और सुरक्षित विकल्प तलाशते हुए करुणाल को बैम्बू फैब्रिक के बारे में पता चला। यह हाइपोएलर्जैनिक और इको-फ्रेंडली था। उस समय भारत में बैम्बू फैब्रिक से बने बेबीवेयर का ट्रेंड नहीं था। शुरुआती निवेश करते हुए उन्होंने चीन के अलीबाबा से कपड़ा मंगवाया। सैपल तैयार कराए।

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य अभियन्ता /निर्माण, उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा प्रणाली द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती है:-	
निविदा का तरीका	E-Tender (Two Packet)
निविदा सूचना संख्या	134-W/Dy. CE/C/UMB/2026-27
कार्य का नाम एवं स्थान	लुधियाना-बुरी-जाखल सेक्शन पर मलेरकोटला और कुप रेलवे स्टेशनों के बीच Km 43/11-12 पर मौजूद ROB नंबर 108-A का पुनर्निर्माण, ताकि डबल स्टैक कटेनरी की आवाजाही हो सके।
अनुमानित /निदितात्मक परियोजना लागत	रुपये 745188439.49
कार्य निष्पादन की अवधि	12 (बारह) माह
जमा की जाने वाली जमानती राशि	रुपये 14903800.00
ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि और समय	निविदा दस्तावेज 15:00 बजे दिनांक 16.10.2026 से 10.11.2026 तक आईआरडीपीएस की वेबसाइट अर्थात www.irps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
पूर्व-बोली सम्मेलन एवं माध्यम	22.10.2026 को 12:00 बजे VC लिंक के जरिए ऑनलाइन या Dy. CE/C/UMB ऑफिस में व्यक्तिगत रूप से। VC लिंक और अन्य जानकारी टेडर डॉक्यूमेंट में दी गई है।
निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि /समय	10.11.2026 को 15:00 बजे तक, निविदाकर्ता द्वारा 27.10.2026 से 10.11.2026 तक आईआरडीपीएस की वेबसाइट अर्थात www.irps.gov.in पर निविदा दस्तावेज अपलोड की जा सकती है।
ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय	15:00 बजे दिनांक 10.11.2026 को खोली जाएगी। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी विस्तृत सूचना देखी जा सकती है।
Tender Notice No.:- 134-डब्ल्यू/उप.मु.अभि.नि./अ.अ./2026-27, Dated:- 16.10.2026	361/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

- फिजिकल मार्केट में कीमत : फिजिकल मार्केट में सोने और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आई है। गुडरिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 10 रुपये की गिरावट के साथ 147430 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट गोल्ड भी 10 रुपये नीचे 135140 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट गोल्ड भी 10 रुपये नीचे 110570 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी की कीमत 100 रुपये की गिरावट के साथ 220900 रुपये पर आ गई।

- इंटरनेशनल प्राइस : इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत में गिरावट आई है। स्पॉट गोल्ड 0.4 प्रतिशत गिरकर 4,152.99 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इससे पहले के सत्र में डॉलर के कमजोर होने और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई थी। दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.1 प्रतिशत बढ़कर 4,173.90 डॉलर पर पहुंच गया। स्पॉट सिल्वर 0.6 प्रतिशत गिरकर 57.09 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।
- पिछले सत्र में कीमत : रुपये में मजबूती और हाजिर मांग कमजोर रहने से राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव सभी करों सहित 900 रुपये घटकर 1,49,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। बुधवार को सोना 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। इसका भाव पिछले बंद स्तर 2.21 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से 6,000 रुपये घटकर 2.15 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। ये कीमतें सभी करों सहित हैं।



नवरात्रि में नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का क्या है महत्व?

नवपत्रिका पूजा हिंदू धर्म में एक विशेष पूजा है। यह खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। इस पूजा में नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों का एक गुच्छा, जिसे नवपत्रिका कहा जाता है, माता दुर्गा को अर्पित किया जाता है। यह पूजा मुख्य रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है।

हिंदू धर्म में नवपत्रिका पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व विशेष रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है। यह पूजा खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। जिसमें नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों को एक गुच्छा में बांधा जाता है। जिसे नवपत्रिका कहा जाता है। उसके बाद इसे मां दुर्गा को चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति पूरे नौ पत्तियों को पूरी श्रद्धा और शुद्धता के साथ बांधकर माता रानी को अर्पित करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही नजरदोष से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान नवपत्रिका पूजा में कौन-कौन से नौ पत्तियों का गुच्छा बनाया जाता है। सभी पत्तों का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का महत्व

नौ पते मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पता मां दुर्गा के एक विशिष्ट रूप की शक्ति और विशेषताओं को दर्शाता है। इन पत्तों को पवित्र माना जाता है और इन्हें मां दुर्गा को अर्पित किया जाता है। ये पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक हैं। ये पते शक्ति और उर्जा का भी प्रतीक हैं। माना जाता है कि इन पत्तों में मां दुर्गा की दिव्य शक्ति निहित होती है। नवपत्रिका पूजा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। इस पूजा को करने से भक्तों को सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य प्राप्त होता है। यह पूजा बुरी शक्तियों से रक्षा करने में भी सहायक होती है।

केले का पत्र – केले के पत्ता शुद्धता और पवित्रता का प्रतिक है। दारुहलदी पत्र – दारुहलदी पत्र शक्ति और उर्जा का प्रतीक है। हल्दी पत्र – हल्दी पत्र शुभता, समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक है।

जयंती पत्र – जयंती पत्र शुभता और कामता का प्रतीक है। बेल पत्र – बेलपत्र शांति और शक्ति का प्रतीक है। अनार पत्र – अनार पत्र ज्ञान प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक है। अशोक पत्र – अशोक पत्र शुद्धता सत्य और जीत का प्रतीक है। धान पत्र– धान पत्र समृद्धि का प्रतीक है। अमलतास पत्र – अमलतास पत्र आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा का प्रतीक है।



भारतीय पंचांग और तिथि गणना के अनुसार, 2026 में शारदीय नवरात्रि के दौरान 19 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी की तिथि एक ही दिन पड़ रही है। ज्योतिषीय और पंचांगीय गणना के अनुसार, नवरात्रि में ऐसा दुर्लभ योग लगभग 12 से 15 वर्षों में एक बार बनता है। 19 अक्टूबर 2026 को अष्टमी तिथि का मान बहुत कम अवधि का है। प्रातः काल में अष्टमी तिथि समाप्त हो जाएगी और उसी दिन नवमी तिथि का प्रारंभ हो जाएगा। इसलिए शास्त्रों और पंचांग नियम के अनुसार, दोनों तिथियों का पूजन और व्रत एक ही दिन संपन्न किया जाएगा।

शारदीय नवरात्रि व्रत व पारण

जो साधक अष्टमी या नवमी का अलग-अलग व्रत रखते हैं, ऐसे में दोनों ही इस दिन व्रत का पारण कर सकते हैं। हालांकि नवमी का व्रत रखने वाले चाहे तो 20 अक्टूबर को पारण करके पूजा-अनुष्ठान, कन्या पूजन और हवन कर सकते हैं। अगला दिन यानी 20 अक्टूबर को विजयदशमी (दशहरा) का पर्व मनाया जाएगा। हालांकि शास्त्रमत अनुसार अष्टमी और नवमी का व्रत रखने वाले दोनों श्रद्धालुओं को 19 अक्टूबर को ही सभी अनुष्ठान पूर्ण करना चाहिए।



नवरात्रि पर माता दुर्गा की उपासना की जाती है। पुराणों में नवरात्रि की माता नौ दुर्गा के अलग अलग वाहनों का वर्णन मिलता है। जैसे शैलपुत्री माता वृषभ पर सवार है तो कालरात्रि माता गधे पर। इसी तरह प्रत्येक देवी का वाहन अलग अलग है, परंतु माता का मुख्य वाहन शेर और सिंह ही है। आओ जानते हैं इस संबंध में खास बातें।



अष्टमी और नवमी तिथि

अष्टमी का प्रारंभ: 18 अक्टूबर 2026 को रात 08:27 बजे
अष्टमी का समापन: 19 अक्टूबर 2026 को सुबह 10:51 बजे
नवमी तिथि प्रारंभ: 19 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:51 बजे।
नवमी तिथि समाप्त: 20 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:50 बजे।

अष्टमी की पूजा और पारण

18 अक्टूबर: जो लोग रात्रिकाल की पूजा करते हैं वे 18 अक्टूबर को निशा पूजा कर सकते हैं। निशा पूजा मुख्य रूप से मध्यरात्रि (निशीथ

देवी दुर्गा का वाहन शेर ही क्यों है

► देवी दुर्गा सिंह पर सवार हैं तो माता पार्वती शेर (बाघ) पर। पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वे स्कंद की माता कहलाती हैं उन्हें सिंह पर सवार दिखाया गया है। कात्यायनी देवी को भी सिंह पर सवार दिखाया गया है। देवी कुम्भांडा शेर (बाघ) पर सवार है। माता चंद्रघंटा भी शेर (बाघ) पर सवार है। जिनकी प्रतिपद और जिनकी अष्टमी को पूजा होती है वे शैलपुत्री और महागौरी वृषभ पर सवारी करती हैं। माता कालरात्रि की सवारी गधा है तो सिद्धिदात्री कमल पर विराजमान है।

► एक कथा अनुसार शिव को पति रूप में पाने के लिए देवी पार्वती ने हजारों वर्ष तक तपस्या की। तपस्या से देवी सांवली हो गई। भगवान शिव से विवाह के बाद एक दिन जब शिव पार्वती साथ बैठे थे तब भगवान शिव ने पार्वती से मजाक करते हुए काली कह दिया। देवी पार्वती को शिव की यह बात चुभ गई और कैलाश छोड़कर वापस तपस्या करने में लीन हो गई। इस

बीच एक भूखा शेर देवी को खाने की इच्छा से वहां पहुंचा। लेकिन तपस्या में लीन देवी को देखकर वह चुपचाप बैठ गया। शेर सोचने लगा कि देवी कब तपस्या से उठे और वह उन्हें अपना आहार बना ले। इस बीच कई साल बीत गए लेकिन शेर अपनी जगह डटा रहा। इस बीच देवी पार्वती की तपस्या पूरी होने पर भगवान शिव प्रकट हुए और पार्वती गौरवर्ण यानी गोरी होने का वरदान दिया। इसके बाद देवी पार्वती ने गंगा स्नान किया और उनके शरीर से एक सांवली देवी प्रकट हुई जो कौशकी कहलायी और गौरवर्ण हो जाने के कारण देवी पार्वती गौरी कहलाने लगी। देवी पार्वती ने उस शेर को अपना वाहन बना लिया जो उन्हें खाने के लिए बैठा था। इसका कारण यह था कि शेर ने देवी को खाने की प्रतीक्षा में उन पर नजर टिकाए रखकर वर्षों तक उनका ध्यान किया था। देवी ने इसे शेर की तपस्या मान लिया और अपनी सेवा में ले लिया। इसलिए देवी पार्वती के वाहन माने शेर/सिंह माने जाते हैं।

नवमी तिथि की ये बातें जानकर ही करें पूजा या नए कार्य

शारदीय नवरात्रि में नवमी तिथि का बहुत महत्व होता है। यह नवरात्रि की अंतिम तिथि होती है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि में इस तिथि को माता सिद्धिदात्री देवी की पूजा होती है। आओ जानते हैं नवमी तिथि का महत्व।

- नवमी तिथि चन्द्र मास के दोनों पक्षों में आती है। इस तिथि की स्वामिनी देवी माता दुर्गा है।
- ज्योतिष के अनुसार यह तिथि रिक्ता तिथियों में से एक है। रिक्ता अर्थात खाली। इस तिथि में किए गए कार्यों की कार्यसिद्धि रिक्त होती है। यहीं कारण है कि इस तिथि में समस्त शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। मात्र माता की पूजा ही फलदायी होती है।
- यह तिथि चैत्रमाह में शुन्य संज्ञक होती है और इसकी दिशा पूर्व है। यह उग्र अर्थात आक्रामकता देने वाली तिथि है।
- यह तिथि शनिवार को सिद्धदा और गुरुवार को मृत्युदा मानी गई है। अर्थात शनिवार को किए गए कार्य में सफलता मिलती है और गुरुवार को किए गए कार्य में सफलता की कोई गारंटी नहीं।

- इस तिथि में जगतजननी त्रिदेवजननी माता दुर्गा की पूजा करने से मनुष्य इच्छापूर्वक संसार-सागर को पार कर लेता है तथा हर क्षेत्र में सदा विजयी प्राप्त करता है।
- नवमी तिथि के शुक्ल पक्ष में दुर्गा की पूजा शुभ लेकिन शिव पूजन अशुभ है। हालांकि कृष्ण नवमी को शिव पूजन कर सकते हैं।
- जीवन में यदि कोई संकट है अथवा किसी प्रकार की अड़चनें आने से काम नहीं हो पा रहा है तो जातक दुर्गा नवमी के दिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करके विधिवत समापन करें और कन्याओं को भोज कराएं।
- नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कढ़ू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है।
- नवमी तिथि में जन्म लेने वाला जातक देवों का भक्त होता और पुत्रवान होता है। जातक अपने बाहुबल से

विजय पाने की कोशिश करता है। हालांकि उसमें त्याग और समर्पण होता है। इस तिथि में जन्मा जातक धनार्जन में कुशल होता है।

- कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी अक्षय एवं आंवला नवमी के नाम से मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु का पूजन होता है और आंवले के वृक्ष की पूजा भी की जाती है। अश्विन माह की शारदीय नवरात्रि में दुर्गा की पूजा होती है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को राम नवमी के रूप में उत्साह और हर्ष उत्सास के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।



संक्षिप्त समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- ‘टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।’ चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- ‘मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।’

गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशनल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन

● विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनीसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया। रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया विनीसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनीसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया। विनीसियस 18 अक्टूबर को सोबिया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतांदेर और वेलेंसिया के खिलाफ अगले मैच भी मिस करेंगे।

चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था। इससे अटक में हॉट कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, ‘एजायटी में दिल की धड़कन तेज हो जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।’ उन्होंने कहा, ‘मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाता था।चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, ‘मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।’

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, ‘शुरुआत मैं मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला आईपीएल खेला था।’ एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपना आसान नहीं होता।चहल ने कहा, ‘तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।’

भारत-वेस्टइंडीज टी-20

आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास

कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली।।ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने इसी दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखा होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मौकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और ढीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।

तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनोतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

- सीरीज में भारत के टॉप विकेट टेकर हैं अर्शदीप – अर्शदीप सिंह इस में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 4 मैचों में 5 विकेट झटकें हैं। उन्होंने तीसरे मुकाबले में 44 रन देकर 3 विकेट झटकें थे।भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला 22 नवंबर 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नैपियर में खेला था। उस मैच में भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 35 रन दिए। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं।

भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूंज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1)



रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्न1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवर्स को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।

2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी - रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत मेंएफ1 की वापसी के लिए सरकार और

संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का

लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। अदाणी रुप्र और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत - रिपोर्ट में अदाणी रुप्र और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट के बीच हालिया बातचीत का भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर,

2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रांप्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटेल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टैक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्न1 रेस का आयोजन बंद हो गया। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- ‘समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।’ बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं। बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म झू पोस्ट में अपनी बात रखी।

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं। सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेले करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया। मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।’

संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। ‘मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।’ यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म झू पोस्ट के जरिए कहा। मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटरस पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं। एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले

भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- ‘टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।’ नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- ‘मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।’ गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल उठाए थे - 9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग देते हैं संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटरस को स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग देते हैं। मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है। 3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।

●●●

●●●

पलमपुर में अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ प्रतिनिधिमंडल ने शांता कुमार जी से की मुलाकात

जगदीप, हिन्द जनपथ
पलमपुर। अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ के संयुक्त सचिव एवं चंडीगढ़ सोशल वेलफेयर बोर्ड के गैर-सरकारी सदस्य श्री विनय कुमार गोयल तथा अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ की संरक्षिका श्रीमती गीता गोयल ने आज पलमपुर में कैबिनेट रैंक के मंत्री एवं हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री (दो कार्यकाल) श्री शांता कुमार जी से मुलाकात की।मुलाकात के दौरान दोनों प्रतिनिधियों ने अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए अपनाई जा रही “बेहतर एजिंग एवं हैप्पियर लिविंग” की रणनीति से श्री शांता कुमार जी को अवगत कराया। इस अवसर पर अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ के गतिशील अध्यक्ष श्री एम.के. रेना द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय को संबोधित एक पत्र भी उन्हें सौंपा गया तथा अनुरोध किया गया कि वे अपनी संस्तुतियों के साथ इसे आगे प्रेषित करें।श्री शांता कुमार जी इस प्रयास से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अध्यक्ष श्री एम.के. रेना जी से टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने उन्हें पलमपुर आने का आमंत्रण दिया, संगठन द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की तथा उठाई गई मांगों के लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मंत्रीच्चारण के बीच सुपवा हॉस्टल के नए सत्र का आगाज

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड बिजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) स्थित अहिल्याबाई होल्कर गलर्स हॉस्टल के नए सत्र का शुक्रवार को मंत्रीच्चारण के बीच आगाज हुआ। हॉस्टल प्रांगण में वैदिक रीति-रिवाज के साथ हवन-यज्ञ किया गया, जिसमें टीचिंग, नॉन-टीचिंग स्टाफ व छात्र-छात्राओं ने आहूति डाली। कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने सभी की उच्च शिक्षा, बेहतर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की कामना की। हवन-यज्ञ कृष्ण देव शास्त्री के सान्निध्य में हुआ, जिसमें कुलगुरु डॉ अमित आर्य मुख्य यजमान की भूमिका में रहे। इस दौरान डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ अजय कौशिक, पैकल्टी कोऑर्डिनेटर विनय कुमार, महेश टीपी, डॉ शैली खन्ना, चीफ वार्डन डॉ सीमा, चीफ सिक्युरिटी ऑफिसर प्रेम सिंह समेत विश्वविद्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहा। कृष्ण देव शास्त्री ने हवन-यज्ञ करने से पहले इसकी महत्ता बताई। पूर्णाहुति के साथ ही हॉस्टल का नया सत्र शुरू होने पर डॉ आर्य ने शिक्षा की भूमिका को जीवन में सर्वोपरि बताते हुए कहा कि यह ऐसा धन है, जिसका कभी भी बंटवारा नहीं हो सकता। इसको हासिल करने वाले जीवन में सदैव प्रगति पथ पर अग्रसर रहते हैं। कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि हवन-यज्ञ करने से न सिर्फ वातावरण की शुद्धि होती है, बल्कि मन भी पवित्र होता है। हवन स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए भी जरूरी है। जिस तरह योग एकप्रता लाता है, उसी तरह हवन से निकलने वाली सुगंध हमारे चारों ओर के वातावरण को पवित्र करती है। हमें मानसिक बल प्रदान करती है। डॉ आर्य ने कहा कि कोई भी अच्छा कार्य शुरू करने से पहले शास्त्रों में हवन-यज्ञ को अनिवार्य बताया गया है। उन्होंने कहा कि छात्राएं अनुशासन के साथ अपनी शिक्षा में बढ़ोतरी करती रहेंगी तो एक दिन न सिर्फ देश के जिम्मेदार नागरिक की भूमिका बखूबी निभा पाएंगी, बल्कि अपना रहन-सहन भी ऊंचा उठा पाएंगी। हवन-यज्ञ में पूर्णाहुति के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

द्वितीयविश्वयुद्ध के योद्धा सुरतसिंह अहलावत के सम्मान मेंहुआसमारोह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) के वीर योद्धा स्वर्गीय चौधरी सुरत सिंह अहलावत के सम्मान में जिला जैद में गांव फतेहगढ़ में समारोह आयोजित किया गया। समारोह में हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन श्री मोहन लाल बड़ौली तथा हरियाणा राज्य समाज कल्याण बोर्ड के चेयरमैन कैप्टन योगेश बैरागी ने बतौर मुख्य अतिथि शिराकत की।

स्वर्गीय चौधरी सुरत सिंह अहलावत 9 ज़ाट रेंजमेंट में सिपाही रहे और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने शौर्य एवं सेवा के लिए ‘स्टार’, ‘अफ्रीका स्टार’ तथा ‘कॉमनवेल्थ वॉर मेडल’ से सम्मानित हुए। उनका सैन्य जीवन देश सेवा, साहस और समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल है।

श्री बड़ौली ने इस अवसर पर चौधरी सुरत सिंह के योगदान को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने गांव के स्कूल द्वार और स्टेडियम का नाम स्व. चौधरी सूरत सिंह अहलावत के नाम पर करने घोषणा की।

संत नामदेव जी के 756वें प्रकाश उत्सव में शामिल होंगे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी : रणबीर गंगवा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्रीरणबीर गंगवा ने कहा कि संत नामदेव जी महाराज के 756वें प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में 18 अक्टूबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-21 स्थित संत नामदेव भवन में वार्षिक धार्मिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

हरियाणा नामदेव समाज के अध्यक्ष श्री सतीबर वर्मा ने कहा कि संत नामदेव जी के 756वें प्रकाश उत्सव को लेकर समाज के लोगों में भारी उत्साह है। समारोह में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर समाज के लोगों से संपर्क किया जा रहा है। इन दौरों के दौरान लोगों में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के लोग बड़ी संख्या में चंडीगढ़ पहुंचकर संत नामदेव जी को नमन करेंगे और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेंगे।

व्रत के खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी जारी, पांच नमूने लिए

पलवल- व्रत के दौरान खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग, पलवल की टीम द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। डॉ. मनोज कुमार, आयुक्त, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, हरियाणा के आदेशानुसार तथा डॉ. पुनीत शर्मा, जिला अभिहित अधिकारी, पलवल के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. ईश्वर कुमार के नेतृत्व में विभिन्न बाजारों और दुकानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सूजी, कुट्टू का आटा, लिटल मिलेट और साबुदाना सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल पांच नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. ईश्वर कुमार ने बताया कि विभाग की टीम द्वारा उत्तवर चौक, हथौन बस स्टैंड, पुरानी सच्ची मंडी, गोशाला मार्केट, होडल और हसनपुर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। व्रत के दिनों में कुट्टू, सिंघाड़े के आटे और समा चालक की मांग बढ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा इन खाद्य पदार्थों की नियमित रूप से सैंपलिंग की जा रही है।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाबउपायुक्त सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति की बैठक आयोजित

लघु सचिवालय में आयोजित बैठक में सिविल सर्जन सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने लिया भाग; स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और योजनाओं को समायबद्ध लागू करने पर चर्चा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति, पंचकूला की गवर्निंग बॉडी की बैठक आज उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों, जिनमें शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर एवं लिंगानुपात शामिल हैं, के साथ-साथ विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, लंबित विकास कार्यों तथा सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

बैठक में सिविल सर्जन, पंचकूला, डॉ. मुक्ता कुमार सहित नगर निगम, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), पंचायती राज, महिला एवं बाल विकास, आयुष तथा शिक्षा विभाग के



वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के उप सिविल सर्जन एवं नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों तथा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत चल रहे कार्यों, लंबित विकास कार्यों तथा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं, गर्भवती महिलाओं की देखभाल तथा पीएनडीटी

अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इसके साथ ही बाल स्वास्थ्य सेवाओं एवं परिवार नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति और उपलब्धियों का आकलन किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण से संबंधित गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। एनीमिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

बैठक में मलेरिया, डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है सरकार की प्राथमिकता: मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चे समाज और प्रदेश की अमूल्य संपत्ति हैं। उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध करवाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। सरकार का उद्देश्य केवल दिव्यांगजनों को सुविधाएं उपलब्ध करवाना ही नहीं, बल्कि उनकी क्षमताओं को विकसित कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने के योग्य बनाना भी है।

मंत्री शुक्रवार को रोहतक स्थित राज्य पुनर्वास प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (सिरतार) के नवीनीकृत बहुउद्देशीय हॉल के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि सिरतार संस्थान लंबे समय से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों एवं दिव्यांगजनों के प्रशिक्षण, पुनर्वास और कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान द्वारा संचालित डी.एड. स्पेशल एजुकेशन (आई.डी.डी.), बी.एड. स्पेशल एजुकेशन (आई.डी.), एम.एड. स्पेशल एजुकेशन (आई.डी.), पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा



इन रिहैबिलिटेशन साइकॉलॉजी तथा सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन कम्युनिटी बेस्ड इनक्लूसिव डेवलपमेंट जैसे पाठ्यक्रम विशेष शिक्षा एवं पुनर्वास के क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करने में योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा पूरी होने के बाद उनके भविष्य, रोजगार और जीवन यापन की व्यवस्था पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बच्चों को भविष्य में भी उचित देखभाल, सुरक्षित वातावरण और आत्मनिर्भर जीवन के अवसर मिलें। इस दिशा में सरकार और संस्थान मिलकर प्रभावी योजना तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी नहीं होनी चाहिए।

लक्ष्य हासिल करने के लिए मैदान में उतरना जरूरी, जीत-हार से निराश न हों खिलाड़ी : राव नरबीर सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि जीवन में निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मैदान में उतरना जरूरी है, चाहे वह खेल का मैदान हो या संघर्ष का। सफलता की राह पर चलने के लिए प्रयास करना और चुनौतियों का सामना करना पहली शर्त है। जीतने वालों को बधाई मिलती है, लेकिन किसी कारणवश लक्ष्य हासिल न कर पाने वालों को भी निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि हर प्रयास आगे बढ़ने का नया अवसर देता है।

कैबिनेट मंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम में स्मॉल साइड हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से आयोजित राव महाबीर सिंह मेमोरियल स्मॉल साइड इनविटेशनल नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में बतौर मुख्यातिथि खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। यह प्रतियोगिता प्राइम स्कॉलर्स इंटरनेशनल स्कूल में 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है, जिसमें अंडर-14 और अंडर-17 आयु वर्ग के बालक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की आबादी देश की कुल आबादी का लगभग दो प्रतिशत है, लेकिन खेलों की हारा करे तो प्रदेश के खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाई खेलों, पैरालंपिक और ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में देश का नाम रोशन करते हैं।

मंत्री ने दिए सख्त निर्देश, हरियाणा के अधिकारियों की ली बैठक

सड़क की मरम्मत में लापरवाही की तो एजेंसी की बैंक गारंटी होगी कैश : मंत्री रणबीर गंगवा

चंडीगढ़- हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने डीएलपी अवधि के दौरान सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क खराब होने के बावजूद यदि संबंधित एजेंसी समय पर उसकी मरम्मत नहीं करती है तो विभाग कार्रवाई करने में देरी नहीं करेगा। ऐसी एजेंसी की बैंक गारंटी कैश करवाकर विभाग अपने स्तर पर कर्मचारी, रोलर और अन्य संसाधन लगाकर सड़क की मरम्मत करवाएगा।

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने

यह निर्देश हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में पीडब्ल्यू (बी एंड आर) विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री एके सिंह, अतिरिक्त सचिव श्री हितेश कुमार मीणा, चीफ इंजीनियर स्तर के अधिकारियों सहित एसोएसपीडब्ल्यू, ईआईसी (बिल्डिंग्स), ईआईसी (रोड्स), सभी संबंधित एसई और एक्सईएन शामिल हुए। बैठक में वर्क प्रोग्राम 2026-27, सड़कों की स्थिति, ‘म्हारी सड़क’ ऐप पर प्राप्त शिकायतों, हरसेक परियोजना, मॉडल रोड तथा सरकारी भवनों पर



विभाग की दो एकड़ भूमि पर मंदिर की आड़ में मकान, होस्टल, पौध नर्सरी आदि बनाकर अवैध कब्जा किया हुआ है और आसपास 500 से अधिक हरे पेड़ों की कटाई के साथ पहाड़ी को

काटकर पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यह भूमि ज्यूलोजिकल सर्वे एवं वाईल्ड लाईफ द्वारा सुरक्षित घोषित किया हुआ है। विशेष अधिकारी ने इस भूमि को तत्काल कार्रवाई करने

पंचकूला में अवैध कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई, 18 एकड़ में तोड़फोड़



हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) श्रीमती बबोता गुप्ता के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार, पंचकूला की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही की गई।

इस कार्यवाही में गांव गोलपुरा, तहसील बरवाला में अवैध कॉलोनी में 18 एकड़ में तोड़ फोड़ की गई। इस तोड़ फोड़ में रोड नेटवर्क/निशानदेही की जेसीबी द्वारा ध्वस्त किया गया। उक्त कार्यवाही में श्रीमती बबोता गुप्ता, जिला नगर योजनाकार, पंचकूला, इयूटी मैजिस्ट्रेट, श्री डम्पी राठी, सहायक नगर योजनाकर, पंचकूला, श्री अशोक कुमार, सहायक नगर योजनाकर

पंचकूला, एवं भारी पुलिस बल क उपस्थिति में संपन्न हुई।

जानकारी देते हुए जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) श्रीमती बबोता गुप्ता ने बताया गया कि कोई भी निर्माण या कॉलोनी विकसित करने से पहले निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति से किसी प्रकार का अवैध निर्माण या कॉलोनी विकसित करता पाया गया तो उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही जारी रखी जाएगी।

उन्होंने आमजन से अनुरोध किया है कि विभाग से सीएलयू/लाईसेंस की अनुमति लिए बिना कोई भी निर्माण व अनाधिकृत कॉलोनी विकसित न करें।

उपलब्धियों से भरे रहे हरियाणा सरकार के दो वर्ष, विकास के मामले में कांग्रेस की कल्पना से भी आगे बढ़ा प्रदेश : डॉ. अरविंद शर्मा

हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार ने ‘बिना पत्तों-बिना खर्ची’ के सिद्धांत पर युवाओं को सरकारी नौकरियां देकर योग्यता और मेहनत का सम्मान सुनिश्चित किया है। इससे युवाओं का व्यवस्था में विश्वास मजबूत हुआ है और सरकारी भर्तों प्रक्रिया में पारदर्शिता को नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। विकास कार्यों में क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हरियाणा ने विकास, बुनियादी सुविधाओं और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ आम नागरिक तक पहुंचाना है। प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास रैलियों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जा रहा है और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नए विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि संतों और महापुरुषों की जयंतियां सरकारी स्तर पर मनाने की पहल ने समाज को उनकी शिक्षाओं और योगदान से जोड़ने का काम किया है। संत-महात्माओं ने समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया है। उनकी शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



तौर-तरीकों को अपना सके, डिजिटल साक्षरता बढ़ा सके और अपनी नियात

क्षमताओं को मजबूत कर सकें।

पीएचडीसीसीआई के कॉर्पोरेट

झज्जर में सेवा संकल्प अभियान के तहत 5100 विद्यार्थियों ने बनाई भव्य मानव श्रृंखला

चंडीगढ़- सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को झज्जर के दिल्ली रोड स्थित क्रिकेट स्टेडियम में 5100 विद्यार्थियों ने भव्य मानव श्रृंखला बनाकर विकसित भारत @ 2047 के संकल्प को साकार करने का सार्थक संदेश दिया। शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सामाजिक एक-जुटता, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प प्रदर्शित किया। इस दौरान पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, डीसी वर्षा खंगवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सहभागिता की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। डीसी वर्षा खंगवाल के मार्गदर्शन में जिले में अभियान के तहत सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।



के निर्देश दिए।

बैठक में महेन्द्राढ़ के गांव में पंचायत की 250-300 हरे पेड़ काटने की शिकायत पर वन विभाग के अधिकारियों ने अगत करवाया कि वन दरोगा एवं उपवन रजिंक अधिकारी को निलम्बित कर दिया गया है। इसके अलावा रसूलपुर गांव के जंगल में लोगों द्वारा नाजायज कब्जा किए जाने पर वन विभाग की खाली जमीन पर पक्का रास्ता बनाने का अनुरोध किया गया। इस शिकायत पर अध्यक्ष महोदय ने अधिकारियों को तालमेल कर सकारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विशेष अधिकारी ने खरखोदा में पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं की बीमा राशि उपलब्ध करवाने तथा कई गांवों में मुर्गा फार्म की वजह से बदनूर एवं प्रदूषण फैलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विषे सचिव ने वन विभाग की 202 सीएम विण्डो एवं 54 जनसंवाद

तथा पशुपालन विभाग की 90 सीएम विण्डो तथा 113 जनसंवाद समस्याओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सीएम विण्डो पर आई 292 समस्याओं तथा जनसंवाद की 176 समस्याओं सहित कुल 359 समस्याओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। विषेप अधिकारी श्री खदरी ने विकास एवं पंचायत विभाग की समस्याओं की समीक्षा करते हुए गांवों के अवैध कब्जे हटवाने, सरपंचों के खिलाफ रिक्वरी,, निशानदेही करवाने तथा जीवौरामजी योजना के तहत कार्यों को लेकर आने वाली समस्याओं पर कार्यवाई करने के निर्देश दिए। विभाग के अधिकारियों ने अगत करवाया कि समस्याओं का निवारण करने के लिए हर दो जिलों के एक नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है तथा उनके माध्यम से त्वरित गति से समस्याओं का निपटान किया जा रहा है।